दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 11/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 26 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

सबसे लंबे कार्यकाल वाले दूसरे प्रधानमंत्री बने मोदी

मोदी गुजरात के पहले मुख्यमंत्री थे जिन्होंने कच्छ को एक खूबसूरत शहर में बदल दिया। विनाशकारी भूकंप के बाद बनाए गए घर आज भूकंपरोधी हैं, यह सब मोदी की ही देन है। जब उन्होंने स्वर्गीय केशुबप्पा पटेल से मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली, तब कच्छ भूकंप से पूरी तरह तबाह हो चुका था, लेकिन मोदी ने सिर्फ़ दो महीनों के भीतर इस क्षेत्र को फिर से जीवंत कर दिया। और अब देश के सबसे लंबे कार्यकाल वाले दूसरे प्रधानमंत्री बन गए हैं।

कमल हसन ने राज्यसभा सांसद के रूप में ली शपथ

नई दिल्ली। सिनेमा जगत के दिग्गज अभिनेता और मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) पार्टी के प्रमुख कमल हसन ने शुक्रवार को राज्यसभा सांसद के तौर पर शपथ ली। उन्होंने संसद भवन में तमिल भाषा में शपथ ली, जिसके बाद वहां मौजूद सांसदों ने मेज थपथपाकर उनका स्वागत किया। यह कमल हसन का संसद में

पहला आधिकारिक पद है और उनके राजनीतिक जीवन का एक बड़ा पड़ाव माना जा रहा है।कमल हसन की पार्टी एमएनएम ने मार्च 2024 में डीएमके के नेतृत्व वाले सेकुलर प्रोग्रेसिव अलायंस के साथ गठबंधन किया था। इस गठबंधन ने 2024 के लोकसभा चुनावों में तमिलनाडु की सभी 39 सीटें जीती थी। इसी गठबंधन के तहत कमल हसन को राज्यसभा के लिए नामित किया गया है। यह कदम 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले एक मजबूत राजनीतिक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। उनके साथ डीएमके के तीन और सांसद रजति, एस.आर. शिवलिंगम और पी. विल्सन ने भी तमिल भाषा में ही शपथ ली। बता दें, कमल हसन ने 2018 में अपनी पार्टी मक्कल निधि मय्यम की शुरुआत की थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को करीब 4त्न वोट मिले थे, जबकि 2021 के विधानसभा चुनावों में भी स्ह्वरूने कई जगहों पर अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, कमल हसन खुद कोयंबटूर साउथ सीट से हार गए थे। 2024 के लोकसभा चुनावों में उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा, बल्कि डीएमके के साथ गठबंधन किया। राज्यसभा में कमल हसन की एंट्री से यह साफ है कि अब वह अपने राजनीतिक करियर को और आगे ले जाने की तैयारी में है।

इंदौर के खजराना गणेश के सिर पर सजेगा 4.5 करोड़ का मुकुट चांदी से चमकेगा गर्भगृह

इंदौर। श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक खजराना गणेश मंदिर इस बार गणेश चतुर्थी पर और भी भव्य रूप में नजर आएगा। इस वर्ष गणेश जी के लिए 4.50 करोड़ रुपए की लागत से हीरे जड़ित स्वर्ण मुकुट तैयार किया जा रहा है, जिसे बंगाल के अनुभवी स्वर्ण कारीगर बना रहे हैं। गणेश चतुर्थी महोत्सव के दौरान यह मुकुट गणेश जी को धारण कराया जाएगा। पहले इसकी चांदी की डमी तैयार की जाएगी, फिर सोने में इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। गणेश चतुर्थी पर्व के लिए 10 दिन तक मंदिर में आकर्षक फूल बंगला भी

सजाया जाएगा। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर मंदिर परिसर में एक अहम बैठक हुई। इसमें मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष व इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक में महोत्सव के दौरान की व्यवस्थाएं, दर्शन, सुरक्षा और मंदिर विकास से जुड़े अन्य प्रस्ताव भी रखे जाएंगे। श्रद्धालुओं में इस बार के भव्य आयोजन को लेकर खासा उत्साह है। खजराना गणेश मंदिर के गर्भगृह को चांदी से सजाने का काम शुरू हो गया। गर्भगृह के जीर्णोद्धार की तैयारियां काफी दिनों से चल रही थीं। खजराना गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी, तिल चतुर्थी आदि अवसरों पर भगवान गणेश जी के श्रृंगार के दौरान फिलहाल एक-एक किलो सोने के मुकुट पहनाए जाते हैं। दो मुकुट में से एक मुकुट के खंडित होने के कारण अब श्री खजराना गणेश मंदिर प्रबंध द्वारा 5 किलो सोने का मुकुट बनवाने का फैसला किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी अशोक भट्ट के मुताबिक, मुकुट तैयार कराने के लिए कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में समिति बनाई गई है।

पीएम मोदी का जादू दुनिया पर चला

लोकतांत्रिक देशों में सबसे लोकप्रिय नेता चुने गए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी देश में तो खासे लोकप्रिय हैं ही, अब दुनियाभर में उनकी लोकप्रियता सिर चढ़कर बोल रही है। दरअसल एक हालिया सर्वे में पीएम मोदी को लोकतांत्रिक देशों के लोकप्रिय नेताओं की सूची में पहले स्थान पर रखा गया है। सर्वे में प्रधानमंत्री मोदी को 75 प्रतिशत रेटिंग मिली है, जो सबसे ज्यादा है। सर्वे का डेटा यूएस बिजनेस इंटेलीजेंस कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट ने शुक्रवार को जारी किया।

दुनिया के दूसरे नेताओं से बहुत आगे पीएम मोदी

सर्वे में भाग लेने वाले लोगों में से 75 प्रतिशत ने पीएम मोदी को दुनिया का सबसे स्वीकार्य नेता बताया। वहीं 18 प्रतिशत ने इसके विपरीत मत दिया। 7 प्रतिशत लोग ऐसे थे, जिन्होंने कोई मत नहीं दिया। लोकतांत्रितक देशों के लोकप्रिय नेताओं की सूची में दूसरे स्थान पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग को जगह मिली है, जिन्हें 59 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला। ये दिखाता है कि पीएम मोदी न सिर्फ सबसे लोकप्रिय नेता चुने गए हैं बल्कि उन्होंने अच्छे खासे अंतर से दूसरे नेताओं को पीछे छोड़ा है। इस सूची में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आठवें स्थान पर हैं और उनकी अप्रूवल रेटिंग 45 प्रतिशत से भी कम है।

राष्ट्रपति ट्रंप आठवें, मेलोनी दसवें स्थान पर

इस सर्वे में तीसरे स्थान पर अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई हैं, जिनकी अप्रूवल रेटिंग 57 प्रतिशत है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी चौथे स्थान पर हैं, जिन्हें 56 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है। इसी तरह पांचवें स्थान पर ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी एल्बानीस, छठे स्थान पर मेक्सिको की नेता क्लाउडिया शिनबाम का नाम है। चौंकाने वाली बात ये है कि दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सूची में आठवें स्थान पर हैं और सिर्फ 44 प्रतिशत लोगों ने ही उन्हें स्वीकार्य नेता माना है जबकि 50 प्रतिशत ने इसके खिलाफ मत दिया। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी भी इस सूची में शीर्ष दस में हैं और उन्हें 10वां स्थान दिया गया है।

दुनिया में लाखों लोगों के सम्मान के पात्र

पीएम मोदी के सबसे लोकप्रिय नेता चुने जाने को लेकर बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट भी किया। इस पोस्ट में भाजपा नेता ने लिखा कि एक अरब से ज़्यादा भारतीयों के प्रिय और दुनिया भर में लाखों लोगों के सम्मान के पात्र, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर मॉर्निंग कंसल्ट ग्लोबल लीडर अप्रूवल ट्रैकर में शीर्ष पर हैं। दुनिया भर में सर्वोच्च रेटिंग वाले सबसे विश्वसनीय नेता। मजबूत नेतृत्व, वैश्विक सम्मान, भारत सुरक्षित हाथों में है।

मोदी आज जाएंगे तमिलनाडु

ब्रिटेन और मालदीव की अपनी यात्रा से लौटने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तमिलनाडु का दौरा करेंगे। यहां वह तूतीकोरिन में सार्वजनिक कार्यक्रम में 4800 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उदघाटन और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह कार्यक्रम रात 8 बजे आयोजित होगा।

कारगिल विजय दिवस आज

राष्ट्रपति, पीएम, रक्षा व गृहमंत्री समेत कृतज्ञ राष्ट्र ने बलिदानियों को नमन किया

नई दिल्ली। कारगिल विजय दिवस आज है। भारतीय सेना से वीर सपूतों ने पड़ोसी देश की हिमाकत का मुंहतोड़ जवाब दिया था। 84 दिनों के इस संघर्ष में पाकिस्तान को परास्त करने वाले जांबाजों की स्मृति में आज कृतज्ञ राष्ट्र बलिदानियों को नमन कर रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई हस्तियों ने बलिदानियों को याद किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आज का दिन भारतीय सेना के वीर जवानों की असाधारण वीरता, साहस और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। 1999 में पाकिस्तान की हिमाकत के बाद भारतीय सेना ने जिस तरह का जवाब दिया, उसे याद कर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज कारगिल विजय दिवस पर कहा कि सैनिकों का समर्पण और सर्वोच्च बलिदान देशवासियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश के आत्मसम्मान की रक्षा करने वाले बलिदानी सपूतों को याद करते हुए कहा कि मातृभूमि के लिए मर मिटने का सैनिकों का जज्बा आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी वीर सपूतों के बलिदान को नमन किया। उन्होंने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, कारगिल विजय दिवस पर, मैं उन वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी देश के सम्मान की रक्षा में असाधारण साहस, धैर्य और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। कारगिल युद्ध के दौरान उनका सर्वोच्च बलिदान हमारे सशस्त्र बलों के अटूट संकल्प की चिरस्थायी याद दिलाता है। भारत उनकी सेवा का सदैव ऋणी रहेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने कारगिल के बलिदानियों को याद कर लिखा आज से 26 साल पहले पाकिस्तान के दुस्साहस पर मुंहतोड़ जवाब देने वाले भारत के पराक्रमी सपूतों को याद कर गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा, ऑपरेशन विजय दुश्मनों को घुटनों पर लाने की अमिट मिसाल है।

कारगिल विजय दिवस

देशवासियों के लिए गौरव का उत्सव है: मुख्यमंत्री

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश के वीर सैनिकों को बधाई दी और माँ भारती के सपूतों के चरणों में नमन किया। उन्होंने भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को याद करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें अपने सैनिकों की वीरता और बलिदान की

गौरवगाथा की याद दिलाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज रीवा के सैनिक स्कूल में आयोजित कारगिल विजय दिवस के विशेष कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान वे सैनिक स्कूल के छात्रों और उपस्थित लोगों के साथ कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। यह कार्यक्रम रीवा में विंध्य क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के बीच आयोजित किया जा रहा है, जहां मुख्यमंत्री 'रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव' का भी शुभारंभ करेंगे।

रीवा में आज से रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव, मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को दो दिवसीय रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का शुभारंभ करेंगे। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य मध्यप्रदेश में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि के साथड्ढसाथ पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स और होटल इंडस्ट्री के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ाने तथा मध्यप्रदेश में आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि तथा विंध्य क्षेत्र की पर्यटन क्षमताओं को पहचानते हुए राज्य में पर्यटन निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। रीवा के कृष्ण राज कपूर ऑडिटोरियम में होने वाले इस रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी भी मौजूद रहेंगे। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ल ने बताया कि कॉन्क्लेव में प्रसिद्ध अभिनेता मुकेश तिवारी और पंचायत वेबसीरीज की अभिनेत्री सान्विका सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

निवेश प्रस्ताव प्रदेश में पर्यटन अधोसंरचना को नई गति

कॉन्क्लेव के पहले सत्र में होटल, रिसोर्ट, वेलनेस और ईको-टूरिज्म क्षेत्रों में निवेश करने वाले छह प्रमुख निवेशकों को लेटर ऑफ अवॉर्ड (एलओए) प्रदान किए जाएंगे। इन प्रस्तावों के अंतर्गत धार, मंदसौर, रायसेन, विदिशा, जबलपुर और अलीराजपुर में निवेश प्रस्तावित है। प्रखर पाव द्वारा मंदसौर में ईको-टूरिज्म गतिविधियों और धार में मिनी रिसोर्ट की स्थापना की योजना है। गांधी सागर क्षेत्र में ईको टूरिज्म गतिविधि संचालित करने के लिए 1 करोड़ रुपये की राशि का निवेश किया जाएगा। धार जिले के हेमाबर्डी क्षेत्र में फिक?सड टेंटिंग यूनिट, मिनी रिसोर्ट के लिए भी 1 करोड़ रुपये का निवेश का प्रस्ताव है।

ग्राम होमस्टे बुकिंग प्लेटफॉर्म का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में गत माह 18 जून को ग्रामीण रंग, पर्यटन संग कार्यक्रम के दौरान एमपी पर्यटन विकास निगम (एमपीएसटीडीसी) एवं पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी) के बीच एमओयू साइन हुआ था। प्रदेश के 61 चयनित पर्यटन ग्रामों के ग्राम होमस्टे अब डिजिटल बुकिंग प्लेटफॉर्म से जुड़े हैं। इस प्लेटफॉर्म की विशेषता है कि यह ष्ठद्वद्ब्रह्व जैसे आधुनिक प्रॉपर्टी मैनेजमेंट इंफर्मेशन सिस्टम से संचालित होता है, जो सेंट्रल रिजर्वेशन सिस्टम से युक्त है।

सतना जिले के सिंहपुर पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव। कार्यक्रम स्थल पहुंचकर मातृ शक्ति उत्सव में हुए शामिल। जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी भी है उपस्थित।

इंदौर-भोपाल में तेज बारिश, 41 जिलों में आज अति भारी और भारी बारिश का अलर्ट

बरगी-बारना और तवा डैम के गेट खोले गए

भोपाल। साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात), ट्रफ और डिप्रेशन की वजह से मध्यप्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। शनिवार को 41 जिलों में अति भारी और भारी बारिश का अलर्ट है। भोपाल में रात से ही तेज बारिश हो रही है। इंदौर में दोपहर 12 बजे से पानी गिर रहा नर्मदापुरम में तवा डैम के 7 गेट 10-10 फीट तक खोले गए हैं। बैतूल में

सतपुड़ा डैम के 7 गेट 8-8 फीट तक खोले गए हैं। बरगी और बारना डैम के भी गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। मंडला में सुबह 9 बजे नर्मदा नदी का जलस्तर वॉर्निंग लेवल को पार कर 437.2 मीटर पहुंच गया, जिससे माहिष्मती घाट का छोटा रपटा पुल डूब गया है। बालाघाट में कोटेश्वर धाम के गर्भगृह में पानी घुस गया। सिंगरौली में आज स्कूलों की छुट्टी है। इससे पहले शुक्रवार को ग्वालियर में इतना पानी गिरा कि जलभराव के हालात बन गए। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के सरकारी बंगले में पानी भर गया। हजीरा इलाके में पुरानी इमारत ढह गई।

इन डैमो के गेट खोल दिए गए

बारिश के चलते जबलपुर में बरगी डैम के 7 गेट खोले गए। बैतूल के सारणी में सतपुड़ा डैम के भी 7 गेट खोलकर पानी छोड़ा गया। मुरैना जिले में पगारा डैम का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर 655.88 फीट तक पहुंच गया। इसके सभी 6 ऑटोमैटिक गेट खुल गए। 6 जिलों में 24 घंटे में गिर सकता है 8 इंच से ज्यादा पानी मौसम विभाग ने शनिवार को कुल 41 जिलों में तेज बारिश होने का अलर्ट जारी किया है।

अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट वाले जिले गुना, अशोकनगर, विदिशा, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, जबलपुर, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया, कटनी, मैहर, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली है। वहीं, भोपाल, ग्वालियर, श्योपुर, शिवपुरी, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, राजगढ़, शाजापुर, इंदौर, उज्जैन, देवास, खंडवा और हरदा में भारी बारिश का यलो अलर्ट है।

सैनिकों के लिए ऐतिहासिक योजना, सीमा पर डटे रहो परिवार का ख्याल हम रखेंगे

परिवारों को अब कानूनी लड़ाइयों में अकेले नहीं लड़ना पड़ेगा

श्रीनगर। देश की सेवा में सीमाओं पर तैनात सैनिकों के परिवारों को अब कानूनी लड़ाइयों में अकेले नहीं लड़ना पड़ेगा। भारत में पहली बार, सैनिकों और अर्धसैनिक बलों के परिवारों को स्वतः कानूनी सहायता देने के लिए एक नई पहल शुरू की गई है। इसका

नाम नालसा वीर परिवार सहायता योजना 2025 है और आज इसकी औपचारिक शुरुआत श्रीनगर में हो गई। इस पहल का मूल संदेश है आप सीमाओं पर देश की सेवा करें, हम आपके परिवार का ख्याल रखेंगे। इस ऐतिहासिक योजना का उदघाटन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के कार्यकारी अध्यक्ष और भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने किया। इस अवसर पर केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी मौजूद रहे।

स्टील स्लैग रोड तकनीक भारत के सड़क अवसंरचना क्षेत्र के लिए एक गेम चेंजर है

अमेरिका-ओमान तक पहुंची स्टील की सड़क की भारतीय तकनीक, 2 ट्रिलियन के बाजार में 1 करोड़ जॉब्स

नई दिल्ली । वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआरआई) की स्टील स्लैग तकनीक से बनाई जाने वाली सड़क का फार्मूला, अब अमेरिका के शिकागो व ओमान तक जा पहुंचा है। इन देशों में भारत के उक्त संस्थानों द्वारा बनाई गई तकनीक से स्टील स्लैग रोड बनाए जा रहे हैं। सीआरआरआई के मुख्य वैज्ञानिक सतीश पांडे ने बताया, स्टील स्लैग रोड तकनीक भारत के सड़क अवसंरचना क्षेत्र के लिए एक गेम चेंजर है। इससे भारत की सर्कुलर इकॉनॉमी की दिशा को गति मिलेगी। सतीश पांडे के मुताबिक, इसके माध्यम से वर्ष 2050 तक 2 ट्रिलियन से अधिक का बाजार खड़ा होने की संभावना है।

ऐसे में लगभग एक करोड़ नौकरियां उत्पन्न हो सकती हैं।

मौजूदा समय में प्रतिवर्ष 1.2 बिलियन एग्रीगेट की खपत हो रही है- मुख्य वैज्ञानिक सतीश पांडे ने शुक्रवार को बताया कि किसी भी सड़क के निर्माण में मुख्य सामग्री नेचुरल एग्रीगेट होता है। मौजूदा समय में प्रतिवर्ष 1.2 बिलियन एग्रीगेट की खपत हो रही है। आने वाले समय में इस एग्रीगेट की खपत बहुत तेजी से बढ़ेगी। इससे पर्यावरण को भी नुकसान होता है, क्योंकि इसके लिए कहीं तो माइनिंग करनी ही पड़ेगी। स्टील स्लैग रोड तकनीक से पर्यावरण को बचाया जा सकता है। किसी भी सड़क के निर्माण में 95 प्रतिशत मात्रा, एग्रीगेट यानी रोड़ी बजरी की होती है। ऊपर की परत, जिसका हिस्सा केवल पांच फीसदी रहता है, उसमें सीमेंट/बिटुमिनस रहता है। वैज्ञानिक रूप से प्रोसेस की गई स्टील स्लैग रोड, पारंपरिक निर्माण सामग्री की तुलना में महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करती है। स्टील स्लैग रोड सामान्यत- 30 से 40 प्रतिशत अधिक लागत प्रभावी होती है। इसके अलावा पारंपरिक बिटुमिनस रोड की तुलना में तीन गुणा अधिक मजबूत होती है। पारंपरिक बिटुमिनस रोड, बहुत जल्द टूट जाती है।

देश में प्रतिवर्ष 19 मिलियन टन से अधिक स्टील स्लैग होता है उत्पन्न

देश में प्रतिवर्ष 19 मिलियन टन से अधिक स्टील स्लैग उत्पन्न होता है। बिना प्रोसेस किए स्लैग का उपयोग इस पर आधारित निर्माण सामग्री की यांत्रिक गुणवत्ता और दीर्घकालिक स्थिरता को खतरे में डालता है। एएम/एनएस इंडिया ने काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च और सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट के साथ साझेदारी की है। यह कंपनी सड़क निर्माण में प्राकृतिक स्रोतों के स्थान पर प्रोसेस्ड स्टील स्लैग एग्रीगेट्स के उपयोग की तकनीक पर जोर देती है। यह देश की पहली ऐसी कंपनी बनी है, जिसे सीएसआईआर व सीआरआरआई द्वारा स्टील स्लैग वैल्यूराइजेशन टेक्नोलॉजी का लाइसेंस प्राप्त हुआ है। यह संस्था, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन कार्यरत एक राष्ट्रीय स्तर की अग्रणी संस्था है।

सोशल मीडिया से

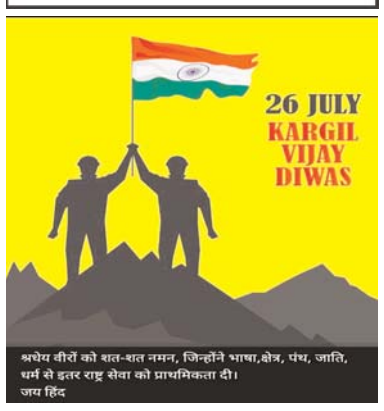

शहीद गेट पर कारगिल विजय दिवस मनाकर किया पूर्व सैनिकों का सम्मान

कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिकों को किया नमन

भोपाल। कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुनानक मंडल द्वारा ईदगाह हिल्स स्थित शहीद गेट पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य शौर्य और अद्वितीय पराक्रम को सलाम करते हुए रंगोली बनाकर दीप प्रज्वलित किए गए एवं भारत माता को पुष्पांजलि अर्पित कर पूर्व सैनिकों को शॉल श्रीफल भेंट कर पगड़ी पहना कर सम्मान किया गया। मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने बताया कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों की बहादुरी और बलिदान का प्रतीक है।

आज हम शहीद गेट पर दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि अर्पित करके उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दे रहे हैं जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा की। हम उनके परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हैं और उनकी वीरता को सम्मानित करते हैं। इस अवसर पर देवेंद्र भार्गव ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता के महत्व को याद दिलाता है। हमें अपने सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को कभी नहीं भूलना चाहिए और हमेशा उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए। इस अवसर पर महेश मकवाना,पूर्व सैनिक आनेंद्र सिंह, पूर्व सैनिक रामगोपाल काकोडा, पूर्व सैनिक श्याम किशोर, पूर्व सैनिक शिव कुमार यादव, भगवान् दास ढालिया सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी और उनकी वीरता को सम्मानित किया।

शुभ श्रावण मास शिव तत्व विचार

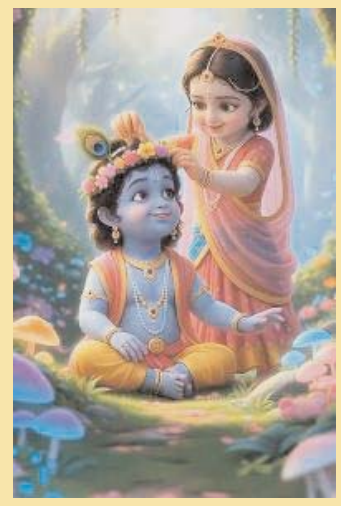

इस श्रावण मास में भगवान शिव के जीवन से एक और प्रेरणा लेकर अपने जीवन को दिव्य और दैवीय बनाने का प्रयास करते हैं। प्रत्येक मनुष्य को भगवान शिव की तरह ही त्रिनेत्रधारी बनने का प्रयास करना चाहिए। महादेव के दो चक्षु बाहरी सृष्टि के लिए हैं तो एक चक्षु अंतर्दृष्टि के लिए है। जब तक हमारे पास भीतरी दृष्टि नहीं होगी तब तक हम अपने जीवन का ठीक-ठीक मूल्यांकन करने में सफल नहीं हो पायेंगे। भीतरी दृष्टि ही ज्ञान एवं विवेक की दृष्टि है। दो आँखों से जगत को देखो और तीसरी आँख से जगत का मूल्यांकन करो। क्या हमारे लिए कल्याण कारक है और क्या हमारे लिए अनिष्टकारी है, इतना विवेक तो हमारे पास होना ही चाहिए। बाहरी दो आँखों से जगत का उपभोग करो लेकिन भीतरी तीसरी विवेक रूपी आँख से जो अमंगलकारी है, अरिष्टकारक है, उद्वेगकारक है और जीवन के उत्थान में बाधक है, उसका प्रतिरोध करना भी सीखो, यही त्रिनेत्रधारी भगवान शिव के तीसरे नेत्र का रहस्य है।

सुबह 11 से शाम 5 तक हर दिन एक मंत्री बीजेपी मुख्यालय में कार्यकर्ता से करेगा मुलाक़ात

भोपाल। मध्य प्रदेश बीजेपी कार्यशैली में सुधार और संगठन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बदलाव किया है। पार्टी संगठन की ओर से निर्देश दिया गया है कि राज्य सरकार में प्रत्येक मंत्री एक दिन प्रदेश मुख्यालय में बैठक करेंगे और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। कार्यालय में लोगों से मुलाकात करेंगे। इसके साथ ही अलग-अलग मुद्दों पर सरकार का पक्ष रखेंगे।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष भी मुलाकात करेंगे- भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद हो पाए, इसके लिए प्रदेश भाजपा कार्यालय में हर दिन एक मंत्री की ड्यूटी लगाई गई है। जहां मंत्री प्रदेश भाजपा कार्यालय में बैठकर लोगों से मुलाकात करेंगे और सरकार का पक्ष रखते हुए प्रमुख विषयों में चर्चा करते दिखाई देंगे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी 2 दिन प्रदेश भाजपा कार्यालय में बैठकर कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे।

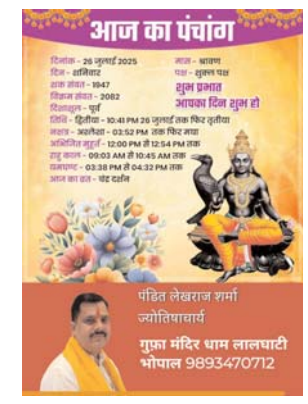

किसानों के मुद्दे पर जवाब नहीं देने दे रहा विपक्ष: शिवराज

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे के कारण खेती किसानी से जुड़े मुद्दों पर जवाब नहीं दे पाए। इस पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष किसानों के मुद्दे की

भी परवाह नहीं कर रहा। वह जनता से जुड़े मुद्दों पर सरकार की बात आम जन तक पहुंचाने में बाधा बन रहा है। उच्च सदन में शुक्रवार को एक स्थगन के बाद 12 बजे जब कार्यवाही दोबारा हुई,तो उपसभापति पैनल से घनश्याम तिवाड़ी ने प्रश्नकाल शुरू किया। चौहान ने एक सवाल का जवाब देना शुरू किया कि विपक्ष ने हंगामा तेज कर दिया। इस पर कृषि मंत्री ने कहा कि सदन में जनता के सवाल हैं, किसानों के सवाल हैं। सरकार इनका जवाब देना चाहती है। सवाल किसानों से संबंधित हैं। गरीब बहनों और महिलाओं से जुड़े हैं, सवाल प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हर व्यक्ति को मकान देने से जुड़े हैं। इसलिए जवाब देने दिया जाए। हालांकि, विपक्ष ने एक नहीं सुनी और सदन सोमवार तक स्थगित हो गया।

नकली कृषि उत्पादों से किसानों को हो रहे भारी नुकसान: जीतू

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य में नकली खाद, नकली बीज और नकली कीटनाशकों की बिक्री पर गहरी चिंता व्यक्त की है, जिससे किसानों को अभूतपूर्व वित्तीय संकट और फसल हानि का सामना करना पड़ रहा है। पटवारी ने आज मोहन सरकार पर किसानों के प्रति उदासीनता और इस गंभीर मुद्दे को रोकने में विफलता का आरोप लगाया।

पटवारी ने कहा, मध्य प्रदेश का किसान पहले से ही मौसम की मार और बढ़ती लागत से जूझ रहा है। ऐसे में नकली खाद, बीज और कीटनाशक उसकी कमर तोड़ने का काम कर रहे हैं। बाजार में धड़ल्ले से बिक रहे है अमानक उत्पाद किसानों की मेहनत और पूंजी को बर्बाद कर रहे हैं, जिससे उनकी आय प्रभावित हो रही है और वे कर्ज के जाल में फंसते जा रहे हैं। पटवारी ने उठाए सवाल-

व्यापकता और प्रमाण- पिछले कुछ महीनों में, राज्य के विभिन्न जिलों से नकली उत्पादों की बिक्री और उपयोग के कारण किसानों को हुए नुकसान की अनगिनत शिकायतें मिली हैं। मंडला, सिवनी, रायसेन, सीहोर, विदिशा, और हरदा जैसे जिलों में किसानों ने स्पष्ट रूप से बताया है कि नकली बीज बोने के बाद अंकुरण नहीं हुआ, नकली खाद से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हुई।

आर्थिक नुकसान का अनुमान- प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, नकली उत्पादों के कारण राज्य के किसानों को अब तक करोड़ों रुपये का नुकसान हो चुका है जो छोटे और सीमांत किसानों के लिए विनाशकारी है।

सरकार की निष्क्रियता- श्री पटवारी ने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से इस समस्या से निपटने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। ÷निरीक्षण, जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। स्वयं केंद्र के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपनी सरकार को आईना दिखाते हुए नकली खाद ,नकली बीज ,नकली कीटनाशक ,के विषय को उठाया इसके बाबजूद सरकार ने अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

किसानों का शोषण- नकली उत्पादों की बिक्री न केवल आर्थिक नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि किसानों के मनोबल को भी तोड़ रही है। कई किसान अपनी जमीन बेचने या सूदखोरों से कर्ज लेने पर मजबूर हो रहे हैं, जिससे आत्महत्या के मामले बढ़ने का भी खतरा है।

जल जीवन मिशन के हजारों करोड़ के सुनियोजित भ्रष्टाचार की सीबीआई जॉच हो-कटारे

भोपाल। भारत सरकार की प्रदेश के गांवों में हर-घर-जल पहुँचाने की महत्वाकांक्षी योजना ÷जल जीवन मिशन (JJM) राजनेता, प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा किये गये 10,000 करोड रूपये के सुनियोजित भ्रष्टाचार व लापरवाही के खेल के कारण योजना अब जल्दी-जल्दी-मनी मिशन बनकर रह गयी है। केन्द्र सरकार द्वारा प्रदेश को जल जीवन मिशन में सभी गांवों में जल पहुँचाने के पावन उद्देश्य हेतु कुल रू. 30 हजार करोड का आवंटन दिया था। प्रदेश के PHE विभाग को कभी इतनी बडी धनराशि नहीं मिली थी. इस कारण पूरा विभाग जिसमें मंत्री, प्रमुख सचिव, प्रमुख अभियंता सहित समस्त अधिकारी लूट हेतु टूट पडे और उन्होंने भ्रष्टाचार की सुनियोजित योजना बनाकर कमीशन और कागजी खानापूर्ति को प्राथमिकता देकर जल्दबाजी और बिना तैयारी के लागू कर स्वयं व चहेते ठेकेदारों की जेबें भर लीं। योजना बनाने में जल्दबाजी मुख्यमंत्री नल जल योजना पूर्व से ही फैल थी फिर भी जल्दी-जल्दी-मनी डकारने के उद्देश्य से उसी मॉडल पर 27,000 ट्यूबवेल आधारित योजनाएं बनाकर कई तकनीकी विकल्पों की अनदेखी की। बेहतर होता कि सतही जल योजना बनाई जाती। योजना में केन्द्र व राज्य की 45-45 प्रतिशत भागीदारी व शेष 10 प्रतिशत ग्राम पंचायत के अंश का प्रावधान था किन्तु जल्दी-जल्दी-मनी डकारने में यह तथ्य भूल ही गये।

Maintenance का प्रावधान नहीं: हर छोटी से छोटी योजना में रख-रखाव Maintenance का प्रवधान रखा जाता किन्तु इसमें यह प्रावधान ही नहीं है।। जल्दी-जल्दी-मनी डकारने के चक्कर में अथवा जानबुझकर छोडा गया है।

DPR में फर्जीबाडा - प्रमुख अभियंता कार्यालय के नोडल अधिकारी आलोक अग्रबाल द्वारा ई-मेल के माध्यम प्रदेश के सभी जिलों को एक मॉडल DPR का प्रारूप भेजकर निर्देशित किया कि वह इसमें आंकडे फीड कर भेज दें, उसी के अनुरूप क्रियान्वयन हुआ।

माथुर वैश्य महिला मंडल के द्वारा वृक्षारोपण कर मनाया गया हरियाली तीज का कार्यक्रम

भोपाल। माथुर वैश्य महिला मंडल पुराना भोपाल ने हरियाली तीज का कार्यक्रम मानस उद्यान में मनाया।अध्यक्षा श्रीमती बबिता अजय मोहनिया ने बताया की पारिजात के पौधे का वृक्षारोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई एवं 121 बेलपत्ती के पौधे सभी बहनों को वितरित किए।अथिति के रूप में केंद्रीय महिला मंडल की भूतपूर्व अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा नरेश गुप्ता,मध्यांचल मंडल प्रमुख उमा हरिशंकर गुप्ता,पूर्व मंडल प्रमुख अंजू राजीव गुप्ता, मध्यांचल खेलकूद मंत्रानी श्रीमती अंजली मोहन गुप्ता उपस्थित रही। हरियाली तीज की क्वीन बनी अंकिता अर्पित गुप्ता इस कार्यक्रम में रैंप वॉक में प्रथम रही, द्वितीय सिमरन गुप्ता, तृतीय स्थान पर सोनम आदित्य गुप्ता विजई रही। डांस प्रतियोगिता में प्रथम सरिता पंकज गुप्ता द्वितीय अंजलि अंशुल गुप्ता तृतीय सुजाता मयंक गुप्ता रही । महिला मंडल पुराना भोपाल के पदाधिकारी उपाध्यक्ष नीता गिरीश गुप्ता, अंजू वाला अजय शंकर गुप्ता,उप मंत्रानी रूपल रवि गुप्ता, कोषाध्यक्ष रेखा अनूप गुप्ता,कोष निरीक्षक रुपाली विकास गुप्ता, केंद्रीय कार्यकारी सदस्य श्रीमती आशा दिनेश गुप्ता,अध्यक्ष सलाहकार राधा जगदीश गुप्ता एवं समाज की सभी बहनों का विशेष सहयोग रहा।

मराठा सेवा संघ द्वारा भोपाल में हुआ भव्य प्रशिक्षण शिविर एवं समाज प्रबोधन कार्यक्रम संपन्न

सावन में बारिश भी नहीं रोक सकी कांवड़ यात्रा, महिलाओं ने पेश की भक्ति की मिसाल

बुधनी। सावन का पवित्र महीना और भगवान शिव की भक्ति का अनूठा संगम बुधनी के नर्मदा घाट पर देखने को मिला। भारी बारिश के बावजूद शिव शंकर महिला समिति की दर्जनों महिलाओं ने कांवड़ यात्रा निकालकर अपनी अटूट आस्था और संकल्प की मिसाल पेश की। पारंपरिक वेशभूषा में सजी ये महिलाएं सिर पर जल कलश और कांवड़ लिए नर्मदा में स्नान कर, हर हर महादेव के जयघोष, ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन के बीच यह यात्रा नर्मदा घाट से शुरू होकर विभिन्न शिव मंदिरों तक पहुंची। नवीन इच्छापूर्ति भोलेनाथ मंदिर इस आयोजन का केंद्र रहा, जहां से श्रद्धालु एकत्रित होकर यात्रा शुरू करती हैं। यह कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि महिलाओं की सामाजिक एकजुटता और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक भी बनी। बारिश की बाधा को पार करते हुए इन शिवभक्तों ने भक्ति, अनुशासन और सहयोग का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। सावन में ऐसी आस्था की झलक हर दिल को छू गई।

लाड़ली बहना के साथ लाड़ले भाइयों के लिए खुला पिटारा मोहन सरकार देगी 5 हजार

भोपाल। मध्यप्रदेश में मोहन सरकार अब नौजवानों को पांच हजार रुपए का इंसेंटिव देगी जबकि उद्योग से जुड़ी लाड़ली बहनों को 6 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि के तौर पर दिए जाएंगे ये खासतौर पर उन नौजवानों को दिया जाएगा, जो प्रदेश में रोजगार परक उद्योगों में काम करेंगे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, मध्यप्रदेश में हमारा प्रयास है कि हर युवा को काम मिलना चाहिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अचारपुरा में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये एलान किया।

इन नौजवानों को मिलेगा पांच हजार का इंसेटिव

मध्यप्रदेश में लाड़ली बहनों के बाद अब नौजवानों पर सरकार का फोकस है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा की कि मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश के नौजवानों को पूरी तरह से प्रोत्साहित करेगी इसके लिए जो नौजवान रोजगार परक उद्योगों में काम कर रहे हैं, उन्हें राज्य शासन पांच हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देगा सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा, प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार देने का कार्य प्राथमिकता में रखती है। राज्य शासन का ये प्रयास है कि हर युवा को काम मिलना चाहिए।

हमारे उद्योग मंदिर की तरहः सीएम

सीएम डॉ. मोहन यादव ने आगे कहा, हमारे उद्योग कारखाने एक तरह के मंदिर हैं। यह मंदिर का स्वरूप हैं, जो लोगों के कष्ट मिटाते हैं। मध्य प्रदेश में उद्योगों का जाल लगातार फैलाया जा रहा है मध्य प्रदेश के युवाओं को पलायन की जरूरत नहीं है। हमारा राज्य समृद्ध होगा और यहीं नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर होंगे।

लाड़ली बहनों को दिए जाएंगे 6 हजार

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा, लाड़ली बहनों को भी उद्योगों में कार्य करने पर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी युवाओं के मुकाबले ये राशि ज्यादा होगी बहनों को 6 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी यह एक तरह का स्थाई प्रबंध होगा इसमें बताया गया कि आगे चलकर घर बैठे लाड़ली बहनों को तीन हजार रुपए मासिक तक प्राप्त होंगे जो परिवार के संचालन के लिए मददगार होंगे इसी तरह जो बहनें घर से बाहर आकर उद्योगों में कार्य करती हैं, उन्हें भी प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

कमलनाथ सरकार में चार हजार का स्टाइपेंड

कमलनाथ सरकार ने भी घोषणा पत्र के मुताबिक बेरोजगार युवाओं के लिए युवा स्वाभिमान रोजगार योजना लॉन्च की थी इस योजना में उम्र का क्राइटेरिया 21 से 30 वर्ष का ही था इसमें नियम ये था कि 100 दिन का काम करने पर चार हजार रुपए की राशि दी जाएगी। इसके अलावा एक ऐसे रोजगार का भी वादा था, जिससे स्किल डेव्लप कर नौजवान आगे बढ़ सकें। मध्यप्रदेश में फिलहाल युवा आबादी डेढ़ करोड़ से ज्यादा है। इनमें 20 वर्ष से 30 वर्ष तक के युवाओं की आबादी करीब एक करोड़ 53 लाख से ज्यादा है। माना जा रहा है कि अगले चौबीस वर्ष में ये आंकड़ा एक करोड़ 49 लाख 93 हजार तक पहुंचेगा यानि कुछ कमी आएगी।

पीकेसी के साथ कुंभराज वृहद सिंचाई परियोजना से गुना जिले के खेत होंगे सिंचितः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

5138 करोड़ लागत वाली कुंभराज परियोजना से 97500 हेक्टेयर भूमि होगी सिंचित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुंभराज वृहद सिंचाई परियोजना के लिए प्रधानमंत्री मोदी का माना आभार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। हमारे यहां कोई ग्लेशियर नहीं हैं, लेकिन सघन वन और जलराशि उपलब्ध है। प्रदेश का कोई भी गांव, कोई भी खेत पानी से वंचित न रहे इसके लिए हमारी सरकार ने प्रदेश में तीन बड़ी नदी जोड़ो परियोजनाओं पर काम शुरू किया है। पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना इन्हीं में से एक है। गुना जिले को पीकेसी के साथ-साथ कुंभराज वृहद सिंचाई परियोजना का भी बड़ा लाभ मिलेगा इससे यहां के गांव-गांव और खेत-खेत तक पानी पहुंचेगा। यह परियोजना गुना जिले की तस्वीर बदल देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को गुना जिले की चाचौड़ा विधानसभा क्षेत्र के बीनागंज में पीकेसी नदी लिंक परियोजना के लिए जिलेवासियों द्वारा आयोजित आभार सभा को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने करीब 5138 करोड़ रूपए की लागत वाली कुंभराज वृहद सिंचाई परियोजना की स्वीकृति पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। इस परियोजना से गुना जिले की 97500 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि को बारहमासी सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो गई है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुना जिले के समग्र विकास के लिए कुल 175.76 करोड़ रूपए की लागत से विभिन्न श्रेणी के 604 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच से ग्राम बीनागंज के श्री राजेश खंडेलवाल की बेटी के लीवर ट्रांसप्लांट के लिए 4 लाख रुपए देने की घोषणा की। बेटी के इलाज के लिए सरकार द्वारा एक लाख रूपए पहले ही दिए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीमती ममता विश्वकर्मा को 1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बीनागंज में गौशाला के संपूर्ण विकास के लिए 12 लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर लगी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या पूजन एवं दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का विधिवत् शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का भगवान गणेश की गोबर से निर्मित प्रतिमा भेंटकर स्वागत किया गया। क्षेत्रीय बहनों ने श्रावण मास पर मुख्यमंत्री को दो बड़ी राखियां भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच से लाड़ली लक्ष्मी योजना, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन सहित अन्य शासकीय योजनाओं के चिन्हित हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चाचौड़ा के दर्शनीय स्थलों पर केंद्रित एक मार्गदर्शिका का भी विमोचन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 2003 तक विपक्षी दल की सरकार थी और उस दौर में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिला। तब की सरकार ने किसानों को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सिंचाई का रकबा 55 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। गुना के गुलाब और धनिया में यहां के किसानों की कड़ी मेहनत की खुशबू आती है। गुना जिला मालवा और चंबल का दरवाजा है। उन्होंने कहा कि किसी जमाने में चंबल में दस्यु संकट चरम पर था। हमारी सरकार बनने पर डाकुओं का सफाया कर दिया गया। अगर 50 साल पहले दस्यु समस्या का हल निकल जाता, तो इस अंचल का अत्यधिक विकास होता। पार्वती, कालीसिंध और चंबल नदी योजना बाबा महाकाल का आशीर्वाद हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में नदी जोड़ो परियोजना का कार्य जारी है।

सिंगरौली के गंभीर रोगी को एम्स लाया, पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा हुई लाभकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार ने गरीब और जरूरतमंदों को कष्ट के समय में सहायता के लिए एयर एम्बुलेंस की सौगात दी है। यह सुविधा एक बार फिर लाभकारी सिद्ध हुई है। राज्य सरकार ने सेवा की अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध करते हुए प्रदेश के दूरस्थ और उत्तरप्रदेश की सीमा से लगे सिंगरौली जिले के निवासी संदीप सिंह को किडनी संबंधी गंभीर बीमारी के उपचार के लिए उन्हें पीएम श्री एम्बुलेंस के माध्यम से एयरलिफ्ट करके भोपाल लाया गया और उन्हें बेहतर उपचार के लिए भोपाल एम्स में भर्ती करवाकर जीवन रक्षा की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी और चिकित्सक इस सेवा का लाभ गंभीर रोगियों और दुर्घटनाग्रसत नागरिकों को दिलवाने के प्रति सजग रहें। जिन व्यक्तियों को इस सेवा की जरूरत है, उनके परिजन भी इसका लाभ लेने के लिए आगे आएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार गरीबों की मदद के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के सभी पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान योजना का लाभ भी दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश पहला प्रदेश है जहां जरूरतमंद मरीजों को एयर एम्बुलेंस की सुविधा मिलती है। अब तक 17 जिलों के रोगियों को कठिन समय में एयर एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। मुश्किल वक्त में यह सुविधा काफी महंगी होती है और गरीबों को संबल स्वरूप राज्य सरकार ने एयर एम्बुलेंस की सेवा शुरू की है, जिसके अंतर्गत हवाई पट्टी वाले क्षेत्रों में एयर एम्बुलेंस का उपयोग हो रहा है। मरीजों को हेलीकॉप्टर द्वारा एयर लिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगरौली जिले के मरीज श्री संदीप सिंह की समय पर मदद करने के लिए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बधाई दी है।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं, औद्योगिक हादसों एवं प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित मरीजों को त्वरित एवं सुरक्षित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना है। यह सेवा राज्य के नागरिकों के लिए एक अत्यंत उपयोगी और जीवन रक्षक सुविधा बन चुकी है। सेवा के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए राज्य के भीतर एवं बाहर के सरकारी व आयुष्मान सूचीबद्ध अस्पतालों में इलाज के लिए निःशुल्क वायु परिवहन की सुविधा दी जाती है और जिनके पास आयुष्मान कार्ड नहीं है उनको राज्य के भीतर सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए निशुल्क हवाई परिवहन सेवा, और राज्य के बाहर किसी भी अस्पताल में अनुमोदित दरों पर सशुल्क सेवा उपलब्ध कराई जा सकती है।

यह सेवा राज्य के सभी जिलों से जिला अस्पतालों के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। नागरिकों को उनके जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी या मेडिकल कॉलेज अधिष्ठाता की अनुशंसा पर जिला कलेक्टर द्वारा राज्य के भीतर निःशुल्क परिवहन की अनुमति दी जाती है। राज्य के बाहर के लिए संचालक चिकित्सा शिक्षा भोपाल तथा सशुल्क मामलों में संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं, भोपाल स्वीकृति प्रदान करते हैं।

भोपाल। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में सफाई अभियान में भोपाल को 2 नंबर मिलने लाने पर जोन 14 वार्ड 67 के समस्त स्वच्छता सफाई कर्मचारियों का स्थानीय पार्षद ममता मनोज विश्वकर्मा एवं रहवासियों के द्वारा पुष्प माला मिठाई बांटी खिलाई कर स्वागत सम्मान किया गया साथ ही अग्रिम सर्वेक्षण की तैयारियों के संबंध में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की जानकारी दी गई।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सत्र से पहले बुलाई कांग्रेस विधायक दल की बैठक

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 27 जुलाई रविवार को राजधानी भोपाल में कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई है। ये बैठक भोपाल के होटल पलाश में होगी। इस बैठक में 28 जुलाई से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र की रणनीति और रूपरेखा पर विधायकों से चर्चा की जाएगी। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बताया कि मांडू में सम्पन्न हुए कांग्रेस के नव संकल्प शिविर में जनहित के जिन मुद्दों पर चर्चा हुई है और जो सुझाव निकलकर सामने आए हैं, उनपर विधायकदल की बैठक में बातचीत कर सत्र के दौरान उन मुद्दों को मजबूती से उठाने की रूपरेखा तैयार की जाएगी। साथ ही प्रदेश की भाजपा सरकार की विफल नीतियों और घपलों-घोटालों को जनता के सामने लाने और विधानसभा में उसे हथियार बनाकर सरकार को घेरने पर भी चर्चा होगी।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने एमआरआई मशीन का किया लोकार्पण

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में 13 करोड़ रूपये की लागत की नवीन एमआरआई मशीन का रीवा में लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि इस अत्याधुनिक मशीन से मरीजों का एमआरआई का परीक्षण बेहतर ढ़ंग से होगा। शुक्ल ने कहा कि सुपर स्पेशलिटी अस्पताल इस क्षेत्र के मरीजों के लिए बड़ी सौगात है। यहां अत्याधुनिक मशीनों से जांच एवं कुशल चिकित्सकों द्वारा गंभीर रोगों का इलाज किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अस्पताल में आयुष्मान धारक भर्ती मरीजों का निःशुल्क एमआरआई होगा तथा अन्य मरीजों का परीक्षण शासन द्वारा निर्धारित दर के अनुसार किया जायेगा। उप मुख्यमंत्री ने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के विस्तार भवन एवं निर्माणाधीन नवीन कैथ लैब का निरीक्षण किया। विदित हो कि नवीन कैथ लैब शीघ्र ही प्रारंभ हो जायेगी। श्री शुक्ल ने कैंसर यूनिट निर्माण कार्य का निरीक्षण किया तथा कार्य को गति देने के निर्देश दिये। इस दौरान डीन मेडिकल कालेज डॉ. सुनील अग्रवाल, अधीक्षक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल डॉ. अक्षय श्रीवास्तव सहित चिकित्सक उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने दिव्यांग बालिकाओं के साथ किया सहभोज

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि जीवन में सफलता और आगे बढ़ने के लिए निरंतर सीखते रहना चाहिए। राज्यपाल बहुदिव्यांग बालिकाओं से उनके शिक्षकों के माध्यम से राजभवन के सभा कक्ष जवाहर खण्ड में आत्मीय चर्चा कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल से सौजन्य भेंट करने के लिए आनंद सर्विस सोसायटी की मूकबधिर बहुदिव्यांग बालिकाएं शुक्रवार को इंदौर से राजभवन आई थीं। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव के.सी. गुप्ता भी मौजूद थे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने दिव्यांग बालिकाओं से उनके मार्ग दर्शकों के माध्यम से परिचय प्राप्त किया। उनके जीवन की कठिनाईयों और सफलताओं को जाना। उनको निरंतर सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। दिव्यांग बालिकाओं के साथ बालिका सुश्री गुरदीप कौर वासु के संघर्ष और सफलता की कहानी पर आधारित वीडियो फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। उन्होंने दिव्यांग बालिकाओं और शिक्षकों के साथ सह-भोज भी किया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सभी बालिकाओं से राजभवन भ्रमण के अनुभव जाने और सामूहिक चित्र भी खिंचवाया। बालिकाओं ने सांकेतिक भाषा में ऐतिहासिक राजभवन परिसर और विशेष रूप से आर्ट गैलेरी भ्रमण के सुखद अनुभव साझा किए। उन्होंने राज्यपाल के प्रति मुलाकात, सहभोज करने और राजभवन भ्रमण का अवसर देने के लिए आत्मीय आभार जताया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से भेंट के अवसर पर मूकबधिर बहुदिव्यांग बालिका सुश्री दिव्या गोले और वैष्णवी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

भोपाल। राजधानी में बाहरश से बाल विहार हमीदिया रोड की हालत खराब हो गई है। यहां पानी निकासी न होने से सड़क लबालब है और मजबूरी में वाहन चालकों को यहां से निकलना पड़ रहा है।

जजों ने कोर्ट में ही देखी एमपीएनआरसी पोर्टल पर फर्जी मार्कशीट, एपीऑलाइन को दी चेतावनी

भोपाल। मध्यप्रदेश में नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेजों में गड़बड़ियों का एक बार फिर हाईकोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। पैरामेडिकल और नर्सिंग कॉलेजों की फर्जी मान्यता और जालसाजी की इस चौंकाने वाली परत को कोर्ट के समक्ष उस वक्त प्रत्यक्ष देखा गया, जब सुनवाई के दौरान खुद जजों ने नर्सिंग काउंसिल (एमपीएनआरसी) के पोर्टल पर फर्जी मार्कशीट को लाइव देखा। गुरुवार को हुई सुनवाई में याचिकाकर्ता और लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल की ओर से सेंधवा स्थित एक नर्सिंग कॉलेज के फर्जी दस्तावेज कोर्ट में प्रस्तुत किए गए। याचिका में आरोप था कि यह कॉलेज दो बार की सीबीआई जांच में सूटेबल पाया गया और उसे 2024-25 की मान्यता मिल गई, जबकि कॉलेज के द्वारा आवेदन में दी गई फैकल्टी की मार्कशीट फर्जी पाई गई। सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता द्वारा जो मार्कशीट प्रस्तुत की गई है, वह उनके रिकॉर्ड में किसी और नाम से दर्ज है। इस पर कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा कि आखिर यह फर्जी मार्कशीट किस स्रोत से मिली। अधिवक्ता विशाल बघेल ने कोर्ट में उसी समय एमपी नर्सिंग रजिस्ट्रेशन काउंसिल (एमपीएनआरसी) की वेबसाइट खोली और जजों को पोर्टल पर उपलब्ध वही मार्कशीट लाइव दिखा दी। इस पर खुद जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अनुराधा शुक्ला ने पोर्टल पर जाकर मार्कशीट डाउनलोड की और देखा कि याचिकाकर्ता की बात सही है। इस मामले में सीबीआई ने पहली बार जो जांच की थी उसमें सीबीआई के कुछ अधिकारी ही रिश्वत लेते हुए पकड़े गए थे जिसके बाद सीबीआई ने दोबारा जांच की लेकिन हैरत की बात या रही कि दोनों जांचों में यह फर्जी मार्कशीट और फैकल्टी पकड़ में नहीं आए। यह देखकर कोर्ट ने भी आश्चर्य जताया और टिप्पणी की कि जब न्यायालय के समक्ष ही पोर्टल से फर्जी मार्कशीट देखी जा सकती है, तो यह गंभीर सवाल खड़े करता है कि पूरे सिस्टम में किस स्तर तक गड़बड़ियां फैली हैं। कोर्ट ने सीबीआई को आदेश दिया कि जो फाइल उन्होंने कोर्ट में पेश की है, उसकी एक प्रति याचिकाकर्ता को भी सौंपी जाए ताकि मामले की पारदर्शिता बनी रहे। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने एमपी ऑनलाइन को विशेष निर्देश दिए हैं कि एमपी नर्सिंग काउंसिल के किसी भी ऑनलाइन डेटा से कोई छेड़छाड़ नहीं की जाए।

अगर आदेश का उल्लंघन होता है, तो भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज कराया जाएगा। इस निर्देश से स्पष्ट है कि कोर्ट इस पूरे मामले को अब डिजिटल सबूतों के आधार पर गंभीरता से देख रहा है। हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई सोमवार को तय की है। यह देखना दिलचस्प होगा कि सीबीआई अपनी अगली रिपोर्ट में क्या नया खुलासा करती है, और क्या राज्य सरकार या नर्सिंग काउंसिल इस पूरे फर्जीवाड़े की जवाबदेही लेती है या नहीं। बड़ी बात ये है कि यह मामला केवल एक कॉलेज तक सीमित नहीं है। लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन का दावा है कि प्रदेश के कई पैरामेडिकल और नर्सिंग कॉलेजों में इसी तरह की फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मान्यता प्राप्त की गई है।

संपादकीय

जीएसटी में सुधार- भारत को एक सरल और स्थिर कर संरचना की जरूरत

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में अगले हफ्तों में एक बार फिर बड़ा बदलाव होने वाला है। खबरों के मुताबिक केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह विभिन्न पक्षों से बातचीत करेंगे ताकि लंबित मसलों को हल किया जा सके। अगर यह बात सही है तो यह दिखाता है कि जीएसटी व्यवस्था में केंद्र सरकार तथा राज्यों के बीच आपसी सहमति से सुधार करना राजनीतिक दृष्टि से कितना आवश्यक है। गत सप्ताह प्रकाशित एक और खबर में कहा गया था कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने जीएसटी फ्रेमवर्क के पुनर्गठन को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार का इरादा जीएसटी व्यवस्था को समायोजित करके इसके काम को बेहतर बनाने का है। इसका स्वागत किया जाना चाहिए। बहरहाल, इस बात पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि जहां जीएसटी ने मंशा के मुताबिक एक राष्ट्रीय बाजार तैयार करने में मदद की है, वहीं राजस्व संग्रह के मामले में इसका प्रदर्शन कमजोर रहा है। इस बात ने केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति पर असर डाला है। राज्यों के उलट केंद्र सरकार के पास शुरुआती वर्षों में राजस्व की कमी से बचाव के लिए क्षतिपूर्ति का उपाय नहीं था।

बातचीत के आगे बढ़ने के साथ जीएसटी परिषद को कम से कम तीन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। पहला, स्लैब और दरों को युक्तिसंगत बनाना। अब यह बात मानी जा चुकी है कि जीएसटी व्यवस्था के कमजोर प्रदर्शन की एक वजह इसके दरों के ढांचे और विविध स्लैब्स की जटिलता भी है। आदर्श स्थिति में देखा जाए तो अर्थशास्त्री कहते हैं कि महज एक दर होनी चाहिए। हालांकि, भारत ने इसे प्रगतिशील बनाने का निर्णय लिया। इस लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश के बावजूद कई स्लैब को कम किया जा सकता है। इस संदर्भ में यह खबर है कि 12 फीसदी के स्लैब को समाप्त कर दिया जाएगा और जिन वस्तुओं पर इस दर से कर लग रहा था उन्हें 5 फीसदी और 18 फीसदी के स्लैब में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। लेकिन इससे व्यवस्था में और जटिलता आ सकती है। बेहतर तरीका यह होगा कि 12 और 18 फीसदी की दर को एक उचित दर में विलीन कर दिया जाए। दरों को युक्तिसंगत बनाने का लक्ष्य दरों के ढांचे को सरल बनाना होना चाहिए, वह भी बिना राजस्व गंवाए। शुरुआती वर्षों में दरों में अपरिपक्व ढंग से कमी किए जाने ने राजस्व संग्रह को प्रभावित किया। कुल सकल जीएसटी संग्रह की बात करें तो उपकर सहित वर्ष 2023-24 में यह सकल घरेलू उत्पाद का 6.7 फीसदी रहा जबकि 2016 में जीएसटी में समाहित करों में यह 6.3 फीसदी रहा था। उपकर को छोड़ दिया जाए तो 2023-24 में शुद्ध संग्रह काफी कम था।

परिषद को एक अन्य पहलू पर विचार करना होगा और वह है क्षतिपूर्ति उपकर। सामान्य परिस्थितियों में क्षतिपूर्ति उपकर का संग्रह जीएसटी के पांच साल बाद रुक जाना चाहिए था लेकिन इसे मार्च 2026 तक बढ़ा दिया गया ताकि महामारी के दौरान क्षतिपूर्ति उपकर संग्रह में कमी के कारण राज्यों को मुआवजा देने की खातिर लिए गए ऋण को चुकाया जा सके। अनुमान बताते हैं कि यह इसका भुगतान दिसंबर या जनवरी तक पूरा हो जाएगा। अगर प्रासंगिक प्रावधानों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया तो उपकर संग्रह को भुगतान पूरा होने के बाद रोकना पड़ेगा। कुछ अंशधारकों ने सुझाव दिया कि उपकर को जीएसटी दर में ही समाहित कर दिया जाए।

इस दौरान याद रखना होगा कि प्रारंभिक लक्ष्य पांच साल की सीमित अवधि के लिए उपकर लगाने का था ताकि एक खास उद्देश्य हासिल किया जा सके। असाधारण हालात में इसे बढ़ाया गया था। ऐसे में जीएसटी ढांचे को सरल बनने के उलट अगर उपकर को जीएसटी दर में शामिल किया गया तो स्लैब और अधिक बढ़ेंगे तथा कर व्यवस्था और जटिल हो जाएगी। ऐसे में यह महत्त्वपूर्ण है कि ऐसे सभी मुद्दों को ध्यान में रखा जाए। मंत्रियों के विभिन्न समूहों ने दरों और उपकर दोनों मुद्दों पर काम किया है। तीसरा, परिषद को अनुपालन के मुद्दों पर भी ध्यान देना होगा जिन्हें कारोबारी समय-समय पर उठाते रहे हैं। जीएसटी के कमजोर प्रदर्शन की एक वजह अनुपालन की जटिलताओं को भी माना जाता है। जीएसटी परिषद के लिए बेहतर होगा कि वह ढांचे को सरल बनाने और राजस्व संग्रह में सुधार के लिए सभी बाकी मुद्दों का समाधान एक साथ करे। भारत को स्थिर और सरल जीएसटी की आवश्यकता है।

तब अटल के सामने बौने पड़ गए थे अमेरिकी राष्ट्रपति क्लिंटन

कौशल किशोर चतुर्वेदी

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर आज अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार कथित तौर पर यह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने भारत यानि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दबाव डालकर सीजफायर करवाया था। और विपक्ष सरकार से इस मामले में जवाब पाने को लगातार आतुर है। पर आज हर भारतवासी 1999 में हुए कारगिल युद्ध के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के प्रति अपनाए गए दो टूक रवैए पर गर्व महसूस कर सकता है। भारत ने कारगिल युद्ध के दौरान अपनी नैतिकता को बनाए रखा और एलओसी का उल्लंघन नहीं किया, लेकिन जब पाकिस्तान ने अमेरिका के जरिए भारत पर दबाव बनाने की कोशिश की, तो वाजपेयी ने उस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के नाम एक गोपनीय पत्र भेजा था। वह पत्र क्लिंटन को तब मिला था, जब वे जिनेवा में थे। द वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार यह पत्र बिल क्लिंटन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सैमुअल आर सैंडी ने प्राप्त किया था। इस पत्र में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया था कि अगर पाकिस्तान ने अपने सैनिकों को वापस नहीं बुलाया तो भारत उन्हें खदेड़ेगा ही, संभव है कि पाकिस्तान कल का सूरज ना देखे। भारत की ओर से वाजपेयी ने यह दृढ़ प्रतिक्रिया इसलिए दी थी कि पाकिस्तान ने भारत पर परमाणु हमले की बात की थी।

परमाणु युद्ध की स्थिति को बनते देख क्लिंटन ने पाकिस्तान से कहा कि वह घुसपैठ को तुरंत रोके और उसे एलओसी से तुरंत हटने को कहा था। उस वक्त भारतीय मीडिया में इस तरह की खबर भी आई थी कि बिल क्लिंटन ने आधी रात को वाजपेयी को फोन किया था, जिसपर उन्हें वैसा ही जवाब मिला था , जैसा कि पत्र में दिया गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने अपनी आत्मकथा ÷माई लाइफ÷ में इस बात का जिक्र किया है।

आईए पहले कारगिल युद्ध के बारे में कुछ जानते हैं। कारगिल विजय दिवस स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। भारत में प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को यह दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध हुआ था जो लगभग 60 दिनों तक चला और 26 जुलाई के दिन उसका अंत हुआ और इसमें भारत विजय हुआ। कारगिल विजय दिवस युद्ध में शहीद हुए भारतीय जवानों के सम्मान हेतु यह दिवस मनाया जाता है। 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद भी कई दिन सैन्य संघर्ष होता रहा। इतिहास के मुताबित दोनों देशों द्वारा परमाणु परीक्षण के कारण तनाव और बढ़ गया था। स्थिति को शांत करने के लिए दोनों देशों ने फरवरी 1999 में लाहौर में घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए। जिसमें कश्मीर मुद्दे को द्विपक्षीय वार्ता द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से हल करने का वादा किया गया था लेकिन पाकिस्तान ने अपने सैनिकों और अर्ध-सैनिक बलों को छिपाकर नियंत्रण रेखा के पार भेजने लगा और इस घुसपैठ का नाम ÷ऑपरेशन बद्र÷ रखा था। इसका मुख्य उद्देश्य कश्मीर और लद्दाख के बीच की कड़ी को तोड़ना और भारतीय सेना को सियाचिन ग्लेशियर से हटाना था। तब यह साजिश पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ़ ने रची थी। पाकिस्तान यह भी सोच रहा था कि इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार के तनाव से कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने में मदद मिलेगी।

प्रारम्भ में इसे घुसपैठ मान लिया था और दावा किया गया कि इन्हें कुछ ही दिनों में बाहर कर दिया जाएगा लेकिन नियंत्रण रेखा में खोज के बाद इन घुसपैठियों के नियोजित रणनीति के बारे मे पता चला जिससे भारतीय सेना को एहसास हो गया कि हमले की योजना बहुत बड़े पैमाने पर की गयी है। इसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन विजय नाम से 2,00,000 सैनिकों को कारगिल क्षेत्र मे भेजा। यह युद्ध आधिकारिक रूप से 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ। इस युद्ध के दौरान 527 सैनिकों ने अपने जीवन का बलिदान दिया और 1400 के करीब घायल हुए थे।

अटल जी का जिक्र आज इसलिए खास तौर पर कर रहे हैं क्योंकि गठबंधन सरकार के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को कभी भी कोई विदेशी दबाव डिगा नहीं पाया था। चाहे परमाणु परीक्षण की बात हो या फिर कारगिल युद्ध की, अटल बिहारी वाजपेई ने किसी के दबाव में कभी भी कोई समझौता नहीं किया। फिर चाहे अमेरिका हो या अन्य विदेशी शक्तियां। हालांकि विदेशी शक्तियों से समझौता न करने के मामले में यही बात देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर भी लागू होती हैं। पर अगर तुलना की जाए तो अटल की तरह समग्र और अद्भुत व्यक्तित्व की बराबरी कोई नहीं कर सकता। चाहे कारगिल युद्ध हो या फिर अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दूसरे फैसले, अटल इरादों के सामने सभी आज भी नतमस्तक हो जाते हैंज्कारगिल युद्ध के समय अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन वास्तव में भारत के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के सामने बौने पड़ गए थे।

कारगिल विजय दिवस पर विशेष

जब सैनिकों के सम्मान में बाहर ही उतार दी चप्पल!!

संजीव शर्मा

वीर सैनिकों के लिए आयोजित कार्यक्रम में जब एक महिला चप्पल बाहर उतारकर शामिल हुई तो कार्यक्रम में मौजूद आम लोगों के साथ सैन्य अधिकारी भी आश्चर्यचकित रह गए। सैनिकों के प्रति इतनी अटूट श्रद्धा का भाव आजकल कम ही देखने को मिलता है कि उनके सम्मान समारोह को मंदिर की तरह पवित्र भाव से महसूस किया जाए। सनातनी परंपरा में तो मंदिर के बाहर ही जूते चप्पल उतारकर अंदर जाया जाता है लेकिन सैनिकों के सम्मान में चप्पल बाहर उतारकर आना वाकई हतप्रभ करने वाला मामला था।

दरअसल, कारगिल युद्ध की वर्षगांठ और इस दौरान हुए आपरेशन विजय में हिस्सा लेने वाले पूर्व सैनिकों के सम्मान में हिमाचल प्रदेश में सैन्य प्रशिक्षण कमान, शिमला ने मशहूर रिज (मॉल रोड) पर कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में एक महिला के चप्पल बाहर उतारकर आने ने सभी का ध्यान खींच लिया। सभागार की व्यवस्था सम्भाल रहे सैनिकों ने उनसे चप्पल पहने रहने का आग्रह किया लेकिन वे तैयार नहीं हुई। दो से तीन बार अनुरोध के बाद ही उस महिला ने चप्पल पहनी। यह महज एक वाकया नहीं बल्कि हिमाचल प्रदेश में सैनिकों के प्रति आदर भाव का उदाहरण है।

और इतना आदर दिया भी क्यों न जाएजहिमाचल प्रदेश को भले ही आमतौर पर देवभूमि कहा जाता है लेकिन इसे 'वीर भूमि' कहना भी उतना ही सार्थक है। सोचिए, जिस राज्य ने अब तक चार परमवीर चक्र और दस महावीर चक्र विजेता जांबाज दिए हों, वह वीरभूमि ही तो होगी। देश का 'पहला' सर्वोच्च वीरता पुरस्कार परमवीर चक्र भी हिमाचल प्रदेश के हिस्से ही आया था। मेजर सोमनाथ शर्मा देश के पहले परमवीर चक्र विजेता हैं और इसी प्रदेश के शूरवीर थे। इसके अलावा, इस राज्य से अब तक मेजर धन सिंह थापा, कैप्टन विक्रम बत्रा और राइफलमैन संजय कुमार भी इस सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित हो चुके हैं। इतना ही नहीं, तीन अशोक चक्र और 18 कीर्ति चक्र विजेता भी यहीं से हैं। यह बताने की जरूरत नहीं है कि अशोक चक्र शांतिकाल में परमवीर चक्र जैसा ही सम्मान माना जाता है। इसके अलावा, वीर चक्र और सेना मैडल की तो गिनती ही नहीं की जा सकती।

झइस राज्य की माटी में घुली वीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कारगिल युद्ध में शहीद हुए कुल 527 सैनिकों में से 52 हिमाचल प्रदेश के थे। करीब 69 लाख की आबादी वाले इस राज्य से हर साल लगभग 5,000 सैनिकों का चयन किया जाता है । सेना में शामिल होने के इच्छुक युवाओं की संख्या इससे कहीं ज्यादा है। राज्य में लगभग तीन लाख सेवारत या सेवानिवृत्त सैनिक और उनकी विधवाएँ हैं। अगर उनके परिवारों को भी शामिल कर लिया जाए, तो हिमाचल प्रदेश में रक्षा क्षेत्र से जुड़े लगभग आठ लाख लोग निवास करते हैं।

यहां गांव गांव में वीरता की कहानियां बिखरी हैं और नौजवान सेना में जाना नौकरी से ज्यादा अपना कर्तव्य समझते हैं। शायद राष्ट्रकवि माखनलाल चतुर्वेदी ने हिमाचल जैसे किसी राज्य की वीरता से प्रभावित होकर ही 'पुष्प की अभिलाषा' नामक कालजयी कविता लिखी थी क्योंकि यहां का युवा भी कहता है-

चाह नहीं, मैं सुरबाला के
गहनों में गूँथा जाऊँ।
चाह नहीं, प्रेमी-माला में
बिंध प्यारी को ललचाऊँ॥
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर,
हे हरि, डाला जाऊँ।
चाह नहीं, देवों के सिर पर
चढ़ूँ, भाग्य पर इठलाऊँ॥
मुझे तोड़ लेना वनमाली!
उस पथ में देना तुम फेंक॥
मातृ-भूमि पर शीश चढ़ाने।
जिस पथ जावें वीर अनेक॥

इसलिए, सैनिकों के सम्मान में किसी महिला का चप्पल उतारकर आना यहां के लोगों के लिए खबर नहीं है..कोई और राज्य होता तो अब तक वह महिला मीडिया की सनसनी बन चुकी होती।

फुटबॉल और बैंकिंग के बीच कई गहरी और रोचक समानताएं

प्रवीण कुट्टी

फुटबॉल और बैंकिंग के बीच कई गहरी और रोचक समानताएँ हैं। दोनों क्षेत्रों में फुर्ती, अनपेक्षित स्थितियों को संभालने की क्षमता, और दबाव में भी ध्यान बनाए रखने की मजबूती बहुत जरूरी होती है। जिस तरह फुटबॉल में मजबूत प्रतिद्वंद्वी अपनी टीमों को बेहतर खेलने के लिए प्रेरित करते हैं, उसी तरह बैंकिंग में प्रतिस्पर्धा नवाचार को बढ़ावा देती है और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाती है।

एक बैंक में चीफ रिस्क ऑफिसर की भूमिका को मैं अक्सर फुटबॉल के होल्डिंग मिडफील्डर से जोड़कर देखता हूँ। मिडफील्डर सामने से आने वाले आक्रमण को भांपता है, खेल की गति तोड़ता है, और एक सटीक पास से रक्षात्मक स्थिति को आक्रमण में बदल देता है। ठीक इसी तरह, एक चीफ रिस्क ऑफिसर लगातार जोखिमों पर नजर रखता है, उन्हें सक्रिय रूप से कम करता है, और बिज़नेस टीमों को चुनौतियों को अवसरों में बदलने में मदद करता है।

टीम प्रबंधन की बात करें तो एक फुटबॉल किस्सा मुझे बहुत प्रेरित करता है। यह किस्सा है आर्सेन वेंगर, जो कि आर्सेनल के प्रसिद्ध मैनेजर रहे हैं, और महान स्ट्राइकर थियरी ऑनरी का। ऑनरी, जो रॉबर्ट पिरेस, फ्रेडी लुंगबर्ग और डेनिस बर्गकैम्प जैसे शानदार खिलाड़ियों के साथ खेलते थे, एक बार इस बात से नाराज़ हुए कि उन्हें समय पर बॉल नहीं मिल रही थी। वेंगर ने उनसे कहा- ÷तुम्हें अपने खेल को अपने साथियों की क्षमताओं के अनुसार ढालना होगा।÷ लुंगबर्ग ड्रिबल करना पसंद करते थे, पिरेस तेज पासिंग में माहिर थे, और बर्गकैम्प के साथ तो बस दौड़ना पड़ता था - वह खुद बॉल पहुँचा देते थे।

यह सलाह नेतृत्व पर भी लागू होती है। डीसीबी बैंक में हम विविध क्षमताओं वाली टीमों को तैयार करने और उन्हें आगे बढ़ने का पूरा अवसर देने पर ध्यान देते हैं। जैसे फुटबॉल खिलाड़ी खेल को पढ़कर निर्णय लेते हैं, वैसे ही हमारी टीमों को भी परिस्थितियों को समझकर जल्दी फैसले लेने की जरूरत होती है।

जैसा कि पेप गार्डियोला ने कहा था, ÷बुद्धिमान खिलाड़ी जानते हैं कि उनके आसपास क्या हो रहा है और खेल किस दिशा में जा रहा है।÷ हम भी अपने मजबूत टीमों में वही समझदारी देखते हैं–ऐसे लोग जो अपनी भूमिका को समझते हैं, दूसरों के साथ तालमेल में रहते हैं, और कारोबार के माहौल में बदलाव को तुरंत पकड़ लेते हैं।संरचनात्मक रूप से हम जिम्मेदारियों को परिभाषित करते हैं, लेकिन हमारी संस्कृति विश्वास, पहल, और साझा सफलता को बढ़ावा देती है।अगर मुझे बताना हो कि कौन-सी एक बात किसी बेहतरीन फुटबॉलर या अच्छे लीडर को खास बनाती है, तो वो है - आगे का अंदाज़ा लगाना। जैसा कि मशहूर खिलाड़ी वेन ग्रेट्ज़की ने कहा था - ÷मैं वहाँ जाता हूँ जहाँ पक (रबर की डिस्क-बॉल) आने वाली होती है, न कि जहाँ वो इस वक़्त है।÷ फुटबॉल और बैंकिंग - दोनों में केवल प्रतिक्रिया देना पर्याप्त नहीं होता। आपको पूरे मैदान को पढ़ना होता है, एक कदम आगे रहना होता है, और खुद को तथा अपनी टीम को अगले बड़े अवसर के लिए तैयार रखना होता है। इसका मतलब है – मैं पहले से सोचकर आगे की जगह पर पहुँचता हूँ, बजाय इसके कि जहाँ चीज़ें अभी हैं, वहीं रुक जाऊँ।

त्वरित टिप्पणी - सांध्यप्रकाश

जी. के. छिब्बर

देशभक्त बनो स्थानीय समस्याओं को उठाओ दूसरे देश की नहीं।

मुंबई उच्च न्यायालय का महत्वपूर्ण निर्णय

मुंबई उच्च न्यायालय की युगल पीठ न्यायामूर्ति रविन्द्र घुगे एवम न्यायामूर्ति गौतम अखण्ड ने ऑल इंडिया सॉलिडरटी ऑर्गेनाइजेशन एवम सीपीई एम की उस याचिका को निरस्त कर दिया जिसमें 16 जून 25 को गाजा नरसंहार पर मुंबई के आजाद मैदान में सभा ओर प्रदर्शन की अनुमति मुंबई पुलिस द्वारा नहीं देने पर चुनौती दी गई थी याचिकाकर्ता ने सभा करने विरोध प्रदर्शन को अपना अभिव्यक्ति का मौलिक अधिकार कहा था ।

दो न्यायाधीशों की पीठ ने निर्णय में कहा कि याचिकाकर्ता को देश के स्थानीय मुद्दे उठाने चाहिए प्रदुषण स्थानीय कचरे निष्पादन जल भराव बाढ़ आदि अनेक मुद्दे है विदेश में क्या हो रहा है उसका याचिकाकर्ता से क्या लेना देना है याचिकाकर्ता का पंजीयन भारत के लिए है हजारों मिल दूर गाजा में क्या हो रहा है उस पर ध्यान देने के बजाय देश की समस्याएं देखे देश भक्त बने पीठ ने टिप्पणी की कि यह दुखद है कि यह कितनी अदूरदर्शिता है कि याचिकार्ताओं द्वारा गाजा ओर फिलिस्तीन के मुद्दे पर सभा की अनुमति मांग रहे हैं जो विदेश नीति के मामले है । मुंबई उच्च न्यायालय का यह निर्णय महत्वपूर्ण दिशा निर्देश है को संगठन अनुचित आधारों पर निरर्थक याचिकाएं दायर कर न्यायालय का समय नष्ट करते है और दूषित राजनीति करते है।राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव को दर्शाता है।

उनकी सबसे बड़ी विशेषता चुनौती को चुनौती से निर्भय होकर सामना करना है और प्रत्येक कार्य को जल्दबाजी में न कर योजनाबद्ध तरीके से करना है आलोचना से अंशमात्र भी विचलित नहीं होते और अपमान को सफलता का पैमाना मानते है उन्हे खून का सौदागर कहा गया चौकीदार चार कहा गया कायर कहा गया नीच कहा गया और अब राहुल गांधी ने नरेंदर सरेंडर कह के कांग्रेस और स्वयं की ही गरिमा गिरा ली है प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा की चट्टान पर अपमान की चोट का कोई असर नहीं हो रहा उल्टा चोट करने वाला ही चोटग्रस्त हो जाता है आसमान की तरफ थूकने का परिमाण स्वयं को गंदा करना होता है यही कारण है कि प्रधानमंत्री पर कोई भी अभद्र और अपमानजनक टिप्पणी का जनमानस पर कोई असर नहीं होता और नरेंद्र मोदी प्रभावी और लोकप्रिय हो रहे है आज उनके सामने विपक्ष बोना ही नजर दिखाई दे रहा है क्योंकि नकारात्मक विरोध से देश की जनता सहमत नही हो रही है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशहित के निर्णय और विदेशनीति के प्रभावशाली निर्णय ने भारत की प्रतिष्ठा विश्व में स्थापित की हैं और आज हम चौथी अर्थव्यवस्था के करीब है यह नरेंद्र मोदी का ही करिश्मा है।

अपस्फीत शिरा (वेरीकोज व्हेन्स)

लंबे समय तक खड़े रहने से बचें, नियमित व्यायाम करें और अपने वजन को नियंत्रित रखें

महेश अग्रवाल
योग गुरु

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल नें अपस्फीत शिरा (वेरीकोज व्हेन्स) के लक्षण, कारण, योग उपचार, मुख्य औषधीय उपचार, एवं परहेज के बारे में बताया कि यदि पैरों को केवल ऊपर रख लेने से ही आपके थके और दुःखते हुए पैरों को आराम मिल जाता है तो आपके पैरों में अपस्फीत शिराएँ उभर रही हैं। अपस्फीत शिराओं का पहला चिह्न है - केवल देर तक टहलने से या भारी काम करने से नहीं, बल्कि दिन- प्रतिदिन आपकी यूँ ही दुःखती हुई टाँगें। अक्सर पैर फूल जाते हैं और उनमें थोड़ी लाली आ जाती है, नहीं तो रक्त नलिकायें त्वचा स्तर या त्वचा स्तर से ठीक नीचे भी स्पष्ट दीखती हैं। ज्यों-ज्यों शिराओं में विकार उत्पन्न होने लगता है, वे फैल कर ढेले के समान हो जाती हैं जिससे पैरों के चारों ओर, टखनों में, घुटनों के पीछे तथा उरु मूल में बहुत दर्द होने लगता है।

अपस्फीत शिराओं के कई कारण हो सकते हैं। पैरों की शिराओं के कपाट (वॉल्व) कमजोर हो जाते हैं जिससे उनमें प्रवाहित होने वाला रक्त ऊपर हृदय में जाने के बदले पुनः उन्हीं में वापस चला आता है। कुछ समय बाद कपाट के चारों ओर के क्षेत्र रक्त से अतिपूरित हो जाते हैं, भद्दे दीखते हैं, बाहर की ओर निकल कर शिराओं में ढेले की तरह पीड़ाजनक हो जाते हैं। ऊदर के फूलने से भी शिराओं पर अत्यधिक दबाव पड़ता है जो अभेद्य, अपारणीय अवरोध उत्पन्न कर देता है, इससे नीचे की शिरायें फैल जाती हैं और कपाटों में दुर्बलता आ जाती है। यह सामान्यतः बहुत मोटे होने पर या चिरकालिक कब्जियत से या गर्भावस्था में हो जाता है। पैरों में गहराई में दबी शिराओं में रक्त के एक-दो थक्के (घनास्त्र/ थ्रॉम्बस) बन सकते हैं, इससे रक्त नलिकाएँ फैल जाती हैं और कपाट क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। यह सामान्य कारण नहीं है। पैर की पिण्डलियों को तानने पर बहुत दर्द होना, इसकी पहचान है। इन सभी स्थितियों में पीड़ित व्यक्ति दिन के अन्त में पैरों में थकान की शिकायत करता है, शायद विशेष बिन्दुओं पर तीव्र पीड़ा होती है। टखनों में सूजन हो सकती है और त्वचा में सामान्य रूप से खुजली हो सकती है। अरक्षित शिराओं से रक्त स्राव तथा फोड़ा होने की सम्भावना भी हो जाती है।सामान्य परामर्श - यदि सम्भव हो तो अनावश्यक रूप से खड़े न रहें और लगातार स्थिर होकर खड़े न रहें। यदि स्थिर खड़ा रहना आवश्यक हो तो सजगता के साथ पैर की मांसपेशियों को बारम्बार संकुचित और शिथिल करें। अन्यथा कुछ दूर टहलें या वहीं पर टहलें। इलास्टिक युक्त मोजे या क्रेप बैन्डेज दिन के समय के लिए उपयुक्त हैं। रात में उन्हें उतार दें। दर्द को दूर करने और रक्त संचालन को सुधारने में मालिश प्रभावकारी होती है। यदि इसे क्रमबद्ध और नियमित रूप से किया जाये तो यह समस्या को पूरी तरह दूर कर सकता है। पैरों को सिर के ऊपर ले जाकर आराम करें। पीठ के बल लेटकर पैरों को दीवाल से टिका कर ऐसा किया जा सकता है।

योग गुरु अग्रवाल नें योग उपचार के बारे में बताया कि सर्वप्रथम कुर्सी पर पैरों को नीचे लटका कर बैठना बन्द करें। पायदान का उपयोग करने के बदले कुर्सी या दीवान पर भी सुखासन या स्वस्तिकासन में बैठें। गर्भावस्था में मत्स्यक्रीड़ासन में आराम करें। इस आसन में आप एक करवट होकर लेटती हैं, नीचे का पैर सीधा रहता है और नीचे की बाँह को मोड़कर उस पर सिर रखते हैं। ऊपर का पैर घुटने से मोड़कर पेट के पास रखे तकिये पर टिका दिया जाता है। इसके द्वारा बच्चे का भार मुख्य उदरीय शिराओं से हट जाता है जो पैरों में होने वाले रक्त प्रवाह को अवरोधों से मुक्त करता है। अपर्याप्त पाचन, कब्जियत या मोटापे के कारण पेट के चिरकालिक फैलाव से सम्बन्धित अपस्तीफ शिराओं की स्थिति में लघु शंखप्रक्षालन तथा कुंजल क्रियाओं के साथ कुछ उपयुक्त आसन किये जाने चाहिए। तलवों और टाँगों का रक्त पिण्डलियों एवं जाँघों की मांसपेशियों के द्वारा पम्प की प्रक्रिया से हृदय में वापस भेजा जाता है। जब चलते, दौड़ते या व्यायाम करते समय ये मांसपेशियाँ संकुचित होती हैं, तो संकुचन के दबाव से रक्त का दोहन हृदय की ओर होता है।

पवनमुक्तासन - पवनमुक्तासन की पहली और दूसरी, दोनों श्रृंखलाएँ वृद्ध व्यक्तियों या गर्भावस्था में अपस्फीत शिराओं के लिए उपयोगी हैं। टखनों एवं पिण्डलियों का क्रमबद्ध खिंचाव रुद्ध रक्त को निचोड़कर बाहर निकालेगा और शरीर के मांसपेशीय पंप को उसे हृदय की ओर ठेलने के लिए प्रेरित करेगा। इन अभ्यासों का लाभ यह है कि इन्हें बैठ कर किया जाता है, इसमें अधिक ऊर्जस्विता या लचीलेपन की आवश्यकता नहीं होती है। पहली श्रृंखला के अभ्यासों में अँगूठों को मोड़ने, टखनों को खींचने, टखनों को घुमाने तथा घुटनों को घुमाने पर बल दिया जाना चाहिए।

इन आसनों में शीर्षासन सर्वाधिक लाभप्रद है, किन्तु सबसे कठिन भी है। सर्वांगासन तथा विपरीतकरणी आसन अधिकतर लोगों की पहुँच के अन्दर होते हैं। इन आसनों को पाँच से दस मिनट तक करना चाहिए और उसके बाद उतने ही समय के लिए हलासन भी करना चाहिए। अन्त में शवासन में आराम करना चाहिए। पद्मासन में बहुत देर नहीं बैठना चाहिए, क्योंकि उसमें उरुमूल (द्दह्मश्चद्बठ्ठ) पर रक्त प्रवाह अवरुद्ध हो जाता है। ध्यान के लिए सिद्धासन या सिद्धयोनि आसन, सुखासन या स्वस्तिकासन में बैठें। वज्रासन में कभी न बैठें। अधिकतम लाभ के लिए बताए गये आसनों का दिन में दो बार अभ्यास करना चाहिए। योग गुरु अग्रवाल नें अभ्यास कार्यक्रम के बारे में बताया कि प्रातः- ताड़ासन (10 बार), पादहस्तासन (15 श्वास), सूर्यनमस्कार (3-6 चक्र), शवासन, शीर्षासन या सर्वांगासन (5 मिनट), हलासन, शवासन। संध्या - पवन मुक्तासन भाग 1 (प्रत्येक को दस बार), पैर उठाना (5 बार), साइकिल चलाना (20 बार), शवासन, जानुशीर्षासन या पश्चिमोत्तानासन (15 श्वास), शवासन (5-10 मिनट), शीर्षासन या सर्वांगासन (5-10 मिनट), हलासन (5-10 मिनट), शवासन।

वृद्ध व्यक्तियों या गर्भवती स्त्रियों के लिए - प्रातः- पवनमुक्तासन भाग 1 (प्रत्येक को बीस बार), पैर उठाना (5 बार), साइकिल चलाना (10 बार), पैरों को दीवाल से टिकाकर पन्द्रह मिनट आराम करना। संध्या के समय इन्हें दोहरायें।वेन्स वेरिकोस - लक्षण - नसों का कड़ा होना व नसों में सूजन मुख्य कारण - लगातार अधिक समय तक खड़े रहना, वेरिकोस वेन्स वाले स्थान पर रक्त प्रवाह व शक्ति कम होना, व्यायाम की कमी व मोटापा । मुख्य उपचार - कुनकुने पानी का एनिमा, गर्म ठंडे पानी का सेंक, मिट्टी का लेप, धूपस्नान, सूती-ऊनी लपेट, स्लेंटिग बोर्ड के एक्सरसाइज। मुख्य औषधीय आहार- लहसुन, ताजे फल, गाजर, शलजम, अंजीर, सौंठ, पुदीना, मूली, हींग हींग, अजवाइन व अदरक । मुख्य परहेज - लगातार अधिक समय तक खड़े रहना, नमक, घी-तेल चिकनाई, ब्रेड, बिस्कुट, बेसन व दालें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

हत्या की घटना में शामिल मृतका के सास-ससुर को आजीवन कारावास की सजा

छतरपुर। थाना सरवई क्षेत्र अंतर्गत वर्ष 2023 में पीड़िता के मरणासन्न कथन के आधार पर थाना सरवई में हत्या का अपराध पंजीबद्ध किया गया था। विचारण उपरांत माननीय अपर सत्र न्यायालय लवकुशनगर न्यायाधीश श्री मोहम्मद अरशद द्वारा हत्या की घटना में सम्मिलित आरोपीगण नत्थू शेख एवं उसकी पत्नी कुरेशा खातून निवासी ग्राम महोई कला थाना सरवई को आजीवन कारावास एवं 500-500 रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है। तत्कालीन थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कुलदीप सिंह जादौन एवं वर्तमान थाना प्रभारी उप निरीक्षक अतुल झा द्वारा प्रकरण की विवेचना की गई। एकत्रित साक्ष्य, कथन माननीय न्यायालय के समक्ष समय से प्रस्तुत किए गए। संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया गया। अभियोजन की ओर से एडीपीओ श्री देवी सिंह ने पैरवी करते हुये मामले के सभी सबूत एवं गबाह कोर्ट में पेश किये थे।

प्रदेश के कर्मचारी बडी हुई ग्रेच्युटी से वंचित

भोपाल। वें वेतन आयोग के अनुसार 50त्न मंहगाई भत्ते की वृद्धि होने पर ग्रेच्युटी की राशि में 25त्न की बढोतरी का प्रावधान है, भारत सरकार द्वारा दिनांक 01-01-2024 से कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति / मत्यु उपरांत मिलने वाली ग्रेच्युटी की राशि की अधिकतम सीमा जो कि पूर्व में 20 लाख थी को बढातें हुए अधिकतम सीमा 25 लाख के आदेश प्रसारित किए गए है, मध्य प्रदेश राज्य शासन द्वारा 7 वें वेतन आयोग के निर्णय अनुसार 55 प्रतिशत मंहगाई भत्ते के आदेश प्रसारित किए जाने के उपरान्त आज दिनांक तक ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 25 लाख के आदेश प्रसारित नहीं किए गए है। भारत सरकार एवं अन्य राज्यों द्वारा ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 25 लाख के आदेश प्रसारित कर दिए गए है, मध्य प्रदेश राज्य शासन द्वारा बढी हुई ग्रेच्युटी के आदेश प्रसारित नहीं किये जाने से प्रदेश के कर्मचारियों एवं अधिकारियों में रोष व्याप्त हैं। कर्मचारी नेता सुभाष व्यास, प्रमोद तिवारी, अशोक गुप्ता, दिलिप सिहं मीना, अशोक शुक्ला, अवधेश तिवारी, भानु प्रकाश तिवारी, अरविन्द सीठा, रमेश नागर, अकबर खान आदि ने राज्य शासन से मांग की है कि शीघ्रातिशीघ्र सेवानिवृत्त / मृत्यु उपरान्त मिलने वाली ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 25 लाख के आदेश प्रसारित किये जायें जिससे कि प्रदेश के कर्मचारियों को न्याय मिल सकें।

कृषि अधिकारियों ने किया खाद दुकानों का निरीक्षण

मंडला। जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश अनुसार जिले में कृषि विभाग की टीमें लगातार औचक निरीक्षण कर रही हैं।जिले में कहीं भी अमानक खाद-बीज,कीटनाशक तथा उर्वरक विकृय न होने पाये इसलिए

संबंधित विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का /उर्वरक/बीज विक्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा लगातार किया जा रहा है।इसी कड़ी में शुक्रवार को अनुविभागीय कृषि अधिकारी मधु अली एवं सहायक संचालक माया रामटेके द्वारा घुघरी विकासखंड के खाद विक्रय केंद्र मे.आदित्?य नारायण अग्रवाल और में.नंदकिशोर अग्रवाल के उर्वरक विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया गया।बिना पी.ओ.एस.मशीन के उर्वरक का विक्रय किया जाना तथा बीज एवं कीटनाशक का स्टॉक पंजी/बिल फाइल नियमानुसार संधारित न किया जाना, पी.ओ.एस. मशीन में उपलब?ध भण्डारण एवं वास्तविक भण्डारण में भिन्नता पाया जाना और साथ ही बिल बुक कैश मेमो किसानों को नहीं दिया जाने जैसे अनियमितता पाई गई हैं।जांच दल द्वारा निरीक्षण प्रतिवेदन तैयार कर अग्रिम कार्यवाही हेतु कार्यालय उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मण्डला में प्रस्तुत कर दिया गया है।

बीते 24 घंटे में 39 मिली मीटर बारिश दुकानों में पानी घुसा

आष्टा। आष्टा ब्लॉक में शनिवार सुबह 4 बजे से तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है बारिश से पूरा क्षेत्र तरबतर हो गया है साथ ही कई निचले इलाकों में बारिश का पानी भी भर गया है पार्वती और पपनास नदी भी भी जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। आज सुबह 8 बजे तक बारिश 39 मिलीमीटर , अभी तक कुल बारिश 356 मिलीमीटर अर्थात 14 इंच से अधिक।गत वर्ष कुल बारिश 406 मिलीमीटर अर्थात 16 इंच से अधिक। बता दे की बीते दो दिनों से आष्टा क्षेत्र में तेज बारिश का दौरा शुरू हो गया है शुक्रवार तो रिमझिम बारिश होती रही लेकिन रात 2 बजे से मूसलाधार झमाझम तेज बारिश के चलते पूरा आंचल हो गया है इधर तेज बारिश के चलते आज तक क्षेत्र की पार्वती , नेवज , पपनास, दूधी नदिया में भी जल स्तर लगातार बढ़ रहा है पार्वती नदी पर आष्टा क्षेत्र में पुराना भोपाल इंदौर मार्ग पार्वती के पुराने पुल पर नदी चार फीट नीचे खाली बह रही है।

रोड एक्सीडेंट में भी इंदौर नंबर वन सागर दूसरे और धार तीसरे पर

इंदौर। मध्यप्रदेश में सड़क हादसों की समस्या गंभीर बनी हुई है। इंदौर जोन में पिछले साल 17,500 दुर्घटनाएं हुईं। यह संख्या अन्य जोनों से काफी ज्यादा है। इंदौर और आसपास के इलाकों में तेज गति से वाहन चलाए जाते हैं। 2025 में सड़क हादसों की संख्या में कमी आई है। इसका मुख्य कारण मप्र रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा शुरू किया गया एक्सीडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम है।

इंदौर जोन का नंबर एक स्थान: इंदौर जोन, मध्यप्रदेश का सबसे अधिक दुर्घटनाओं वाला क्षेत्र है, जहां 17,500 हादसे रिपोर्ट किए गए हैं। इसके बाद सागर और धार जोन क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। वहीं, राजधानी भोपाल 13,000 घटनाओं के साथ चौथे नंबर पर आता है। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि यहां के इलाके में यातायात की गति तेज है, जिससे हादसों की संभावना बढ़ जाती है। बता दें कि हाल में सफाई के मामले में इंदौर नंबर 1 आया है।

एक्सीडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम की सफलता: मप्र रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा शुरू किया गया एक्सीडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम 2024 में दुर्घटनाओं की संख्या को रोकने में महत्वपूर्ण साबित हुआ है। 2024 में जनवरी से जून तक लगभग 2.77 लाख हादसों की सूचना प्राप्त हुई थी, जबकि 2025 में जनवरी से जून तक यह आंकड़ा घटकर केवल 1.49 लाख घटनाएं रह गया। यह आंकड़े आरडीसी की इमरजेंसी सेवा 1099 द्वारा एकत्रित किए गए थे, जो दुर्घटनाओं के दौरान तत्काल सहायता प्रदान करने में मदद करती है।

हादसों के विश्लेषण में प्रमुख क्षेत्र: एमपीआरडीसी द्वारा किए गए एक विश्लेषण के अनुसार, दुर्घटनाओं की अधिकता कमर्शियल और इंडस्ट्रियल इलाकों में पाई गई है। इन क्षेत्रों में वाहनों की गति अधिक होती है, जिसके कारण हादसों का खतरा बढ़ता है। इसके विपरीत, सरकारी कार्यालयों और स्कूलों के पास हादसों की संख्या कम रही है, क्योंकि वहां वाहन चालक गति सीमा का पालन करते हैं।

मप्र में सबसे सुरक्षित जिले: मध्यप्रदेश के कुछ जिले, जैसे उमरिया, बुरहानपुर, और श्योपुर, हादसों के मामले में सबसे सुरक्षित माने गए हैं। इन जिलों में कुल 5,700 घटनाओं की सूचना मिली है, जो बाकी प्रदेश के मुकाबले काफी कम है।

एक्सीडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम की यात्रा: यह सेवा 28 दिसंबर 2014 को शुरू की गई थी और तब से अब तक 16 जुलाई 2025 तक इस सेवा के माध्यम से कुल 5.90 लाख घटनाओं की सूचना प्राप्त हो चुकी है। यह सेवा दुर्घटनाओं के दौरान त्वरित मदद सुनिश्चित करने के लिए बनी है, और इसे अब तक शानदार सफलता मिली है।

पार्षद द्वारा सीओएम को लिखा पत्र जर्जर भवन तोड़ने के खर्च की वसूली की उठाई मांग

सांध्य प्रकाश, इटारसी। नगरपालिका परिषद इटारसी के पार्षद एवं सभापति राकेश जाधव ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को एक पत्र लिखकर शहर में जर्जर भवनों को तोड़ने पर हुए व्यय की वसूली की मांग की है।

अपने पत्र में सभापति जाधव ने उल्लेख किया कि शहर में जर्जर भवनों को गिराने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है, जो कि सराहनीय प्रयास है। इस कार्यवाही से पहले सभी भवन मालिकों को नोटिस देकर स्पष्ट रूप से सूचित किया गया था कि वे अपने जर्जर भवन स्वयं गिरा लें, अन्यथा नगर पालिका द्वारा यह कार्य किया जाएगा और उसकी लागत संबंधित भवन मालिक से वसूल की जाएगी। सभापति ने यह भी कहा कि दुर्भाग्यवश अब तक किसी भी भवन मालिक से इस कार्य का खर्च वसूल नहीं किया गया है। इतना ही नहीं, भवन तोड़ने की कार्यवाही के दौरान नगरपालिका की जेसीबी मशीन भी क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे करीब ?5 लाख का अतिरिक्त व्यय संभावित है। यह स्थिति शासन को आर्थिक हानि पहुंचाने वाली है और इसकी भरपाई आवश्यक है।

राकेश जाधव ने मांग की है कि तत्काल प्रभाव से भवन मालिकों से खर्च की वसूली की जाए ताकि नगरपालिका पर आर्थिक भार न पड़े और शासन के संसाधनों का दुरुपयोग न हो।

अस्पताल में नियमित चिकित्सकों की कमी को लेकर संघ ने सौंपा ज्ञापन

मण्डला। जिला अस्पताल मंडला में नियमित चिकित्सा अधिकारियों की कमी को लेकर मध्यप्रदेश चिकित्सा अधिकारी संघ ने चिंता व्यक्त की है।संघ ने सीएमएचओ और सिविल सर्जन को एक ज्ञापन सौंपा,जिसमें तत्काल नियमित डॉक्टरों की नियुक्ति की मांग की गई है।संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. हेमेंद्र चौहान ने बताया कि जिला चिकित्सालय में 32 चिकित्सकों के पद स्वीकृत हैं,लेकिन वर्तमान में केवल दो नियमित महिला चिकित्सा अधिकारी ही पदस्थ हैं।अस्पताल में एक भी नियमित पुरुष चिकित्सा अधिकारी नहीं है।डॉ. हेमेन्द्र चौहान ने बताया कि जिला अस्पताल में रोजाना 500 से 700 मरीज इलाज के लिए आते हैं, और इनमें से 50 से 80 गंभीर मरीज भर्ती होकर उपचार कराते हैं। नियमित चिकित्सा अधिकारियों की कमी के कारण पोस्ट ग्रेजुएट चिकित्सा अधिकारियों को अत्यधिक शारीरिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।ओपीडी, आईपीडी, एमएलसी, पोस्टमार्टम और आपातकालीन ड्यूटी जैसे सभी महत्वपूर्ण कार्य इन्हीं गिने-चुने डॉक्टरों द्वारा संभाले जा रहे हैं।संघ का कहना है कि पोस्ट ग्रेजुएट चिकित्सा अधिकारी भी इन कार्यों में शामिल हैं, लेकिन इस दबाव के कारण वे अपनी विशेषज्ञता का कार्य पूर्ण क्षमता से नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उन पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है। मेडिकल ऑफिसर एसोसिएशन ने शीघ्र से शीघ्र मंडला जिला अस्पताल में नियमित चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति के लिए आवश्यक कार्यवाही करने का अनुरोध किया है।

नगर निगम की एक ही आईडी से मिलेगी जल, संपत्ति और कचरा शुल्क की जानकारी, भुगतान भी आसान

इंदौर। अभी तक इंदौर नगर निगम के करदाताओं को संपत्ति, जल और कचरा संग्रहण का बिल अलग-अलग मिल रहा है। भुगतान भी इसी तरह किया जाता है। भविष्य में एक ही बिल में तीनों सुविधाओं का बिल दिया जाएगा, जिससे भुगतान में भी आसानी रहे। इसी लक्ष्य से निगम जल्द ही डिजिटल पोर्टल तैयार करने में जुट गया है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में डिजिटल इंदौर की दिशा में पोर्टल के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर बैठक बुलाई। इसमें सूचना एवं प्रौद्योगिकी प्रभारी राजेश उदावत, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा, निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा पोर्टल निर्माण कार्य में संलग्न कंपनी के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसका उद्देश्य पोर्टल के प्रभावी और समग्र उपयोग को सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर पोर्टल निर्माण कर रही एजेंसी द्वारा विस्तृत प्रेजेंटेशन के माध्यम से पोर्टल की संरचना, कार्यप्रणाली एवं नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गई। महापौर ने कहा कि डिजिटल इंदौर की संकल्पना को साकार करने एकीकृत निगम पोर्टल का निर्माण जरूरी है, जिससे नागरिकों को घर बैठे विभिन्न सेवाएं सरल, सुलभ और पारदर्शी रूप से मिल सकें।

बैठक में संपत्ति कर, जलकर एवं कचरा प्रबंधन शुल्क की वसूली एक ही करदाता आईडी के माध्यम से करने की योजना प्रस्तुत की गई। डिजिटल पते को प्रणाली में जोड़कर एकीकृत पहचान प्रणाली विकसित करने पर बल दिया गया, जिससे करदाता को बार-बार विवरण भरने की आवश्यकता नहीं होगी और दोहरे खातों की समस्या से मुक्ति मिलेगी। यह व्यवस्था संपदा पोर्टल से भी समन्वित की जाएगी। प्रेजेंटेशन के दौरान बताया गया कि भुगतान के लिए पोर्टल पर विविध विकल्प उपलब्ध होंगे, जिससे नागरिक सुविधा अनुसार भुगतान कर सकेंगे।

संपत्ति कर संबंधी प्रक्रिया में एआरओ से लेकर बिल कलेक्टर और कैशियर तक की भूमिका पोर्टल के माध्यम से सुव्यवस्थित रूप से निर्धारित की गई है। जन्म-मृत्यु पंजीकरण के साथ-साथ विवाह पंजीयन प्रक्रिया के सरलीकरण पर चर्चा की गई। इसमें सुझाव दिया कि पति-पत्नी में से एक इंदौर में है और दूसरा किसी अन्य शहर में, तो ऐसी स्थिति में किसी एक की भौतिक उपस्थिति और दूसरे की वर्चुअल उपस्थिति के माध्यम से विवाह पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की जा सके, जिससे नागरिकों को अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सके।

डिजिटलाइजेशन प्रक्रिया पर विचार: इस अवसर पर वार्ड स्तरीय मास्टर प्लान की डिजिटलाइजेशन प्रक्रिया पर भी विचार-विमर्श किया गया। योजना के तहत प्रत्येक वार्ड का पृथक मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा, जिसे पोर्टल पर नागरिकों की जानकारी के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। सूचना एवं प्रौद्योगिकी प्रभारी राजेश उदावत ने बताया कि यह पोर्टल न केवल राजस्व वसूली को पारदर्शी बनाएगा, बल्कि सभी विभागों के समन्वय से नागरिक सेवाओं को डिजिटल रूप से एकीकृत करेगा, जिससे इंदौर को स्मार्ट गवर्नेंस के क्षेत्र में एक नई ऊंचाई मिलेगी।

आबकारी विभाग और पुलिस की बड़ी कार्रवाई 2 करोड़ की अवैध शराब पर चला बुलडोजर

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में अवैध शराब के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। ग्रामीण थाना क्षेत्रों में जब्त की गई 40 हजार लीटर अवैध शराब को महू के ट्रेंचिंग ग्राउंड में बुलडोजर से नष्ट कर दिया गया। इस शराब की अनुमानित बाजार कीमत 2 करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह कार्रवाई जिला कलेक्टर आशीष सिंह और वरिष्ठ पुलिस व आबकारी अधिकारियों की मौजूदगी में पूरी की गई, जिसे अवैध शराब के कारोबार और इसके सामाजिक दुष्प्रभावों के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

ग्रामीण डीएसपी उमाकांत चौधरी ने बताया कि यह शराब पिछले कुछ महीनों में बेटमा, सांवेर, खुड़ैल, मानपुर, बड़गोंदा और शिप्रा जैसे ग्रामीण थाना क्षेत्रों में की गई छापेमारी में जब्त की गई थी। इसमें देशी, विदेशी और कच्ची शराब की विभिन्न किस्में शामिल थीं, जो बिना वैध अनुमति के तैयार या बेची जा रही थीं। आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाइयों ने शराब माफियाओं के खिलाफ प्रभावी कदम उठाए हैं।

नष्ट करने की प्रक्रिया महू स्थित नगर निगम के ट्रेंचिंग ग्राउंड में की गई। शराब की बोतलें और ड्रम खुले मैदान में एकत्र किए गए, जिन्हें बुलडोजर की मदद से कुचलकर नष्ट किया गया। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गई। आबकारी विभाग के सहायक आयुक्त अभिषेक तिवारी ने कहा, ÷कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर अवैध शराब की खरीद, बिक्री, परिवहन और भंडारण के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा।÷

नवांकुर के स्वयं सेवकों व डॉल्फिन के स्काउट गाइड्स ने घर-घर दस्तक देकर असाक्षरों का सर्वे किया

दैनिक सांध्य प्रकाश गंज बासौदा। राष्ट्रीय सेवा योजना नवांकुर इकाई के स्वयंसेवकों तथा डॉल्फिन स्कूल के स्काउट गाइड्स द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत वार्ड क्र0 8 बेदन खेड़ी तथा आसपास के क्षेत्रों में घर-घर दस्तक देकर असाक्षरों का सर्वे किया गया। सर्वे कार्य हेतु अलग-अलग दल बनाये गये।इस दौरान 120 से अधिक असाक्षरों की पहचान की गई तथा उनकी आईडी लेकर एन आई एल पी एप पर उनका रजिस्ट्रेशन किया गया। संपूर्ण सर्वे कार्य के दौरान में सीआरसी भगवती सक्सैना तथा साक्षरता समन्वयक जेहरा नकवी सर्वे दल के साथ उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सर्वे दल के सदस्यों ने घर-घर दस्तक देकर साक्षर लोगों का परिचय लिया, उनकी पहचान की तथा उन्हें डिजिटल लिटरेसी (साक्षरता) के बारे में बताया। एन आई एल पी ऐप पर असाक्षरों का रजिस्ट्रेशन भी किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य शैलेंद्र कुमार दीक्षित, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी अभिषेक मिश्रा व अन्य शिक्षकगण भी दल के साथ थे और उनका मार्गदर्शन कर रहे थे। वार्ड क्र0 8 के नागरिकों ने बहुत रुचि के साथ रासेयो के स्वयं सेवकों, स्काउट गाइड तथा शिक्षकगणों को सहयोग प्रदान किया।

उल्लेखनीय है कि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 2027 तक प्रदेश को पूर्ण साक्षर किए जाने का लक्ष्य है। इस दौरान बासौदा विकासखंड में भी 15 वर्ष से अधिक वर्ष के असाक्षरों को नव साक्षर बनाने हेतु समस्त शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्य व शिक्षकों द्वारा सर्वे करके एन आई एल पी एप पर असाक्षरों का रजिस्ट्रेशन भी करना है।

जिले में मूंग खरीदी में भारी अनियमितताएं

दमोह। जिले में इस समय मूंग और उड़द की खरीदी की जा रही है जहां पर किसान बड़ी संख्या में मूंग और उड़द की उपज लेकर खरीदी केंद्र पहुंच रहे हैं जहां पर किसानों के द्वारा जो रजिस्ट्रेशन कराये गए है और जो स्लॉट बुकिंग की गई है उसके आधार पर मूंग एवं उड़द की खरीदी की जा रही है इस दौरान जो मूंग की तलाई हो रही है उसमें किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जबेरा खरीदी केंद्र पर किसी से 50700 ली जा रही है किसी से 50750 ली जा रही है और जो मूंग ली जा रही है उस मूंग में काफी मात्रा में छोटे और काले दाने भी लिये जा रहे जो सरकार और शासन के नियम एवं मापदंड के विपरीत है और किसानों के द्वारा बताया गया कि यहां पर उनसे पैसों की मांग भी की जा रही है और पैसे नहीं दिए जाते तो मूंग तलाई नहीं होती फेल कर दी जाती है और जो पैसा देता है उसकी मूंग तुलाई हो जाती है

यही समस्या खड़ेरी मूंग खरीदी केंद्र पर है बड़ी संख्या में किसान मूंग लेकर पहुंच रहे हैं और लाइन में लगे हुए हैं किसानों से पूछने पर उनके द्वारा बताया गया कि हम लोगों को 5 से 6 दिन हो गए हैं और हमारा नंबर अभी भी नहीं आया और जो हमारे बाजू में लगे थे और बाद में आए थे उनको टोकन भी मिल गया और वह अंदर भी पहुंच गए उनकी मूंग तुलाई भी हो गई क्योंकि उन लोगों ने पैसे दे दिए थे और हमारे द्वारा पैसे नहीं दिए गए इसलिए हम लोग लाइन में लगे हैं

खरीदी केंद्र में जो तोल के इलेक्ट्रिक कांटे चल रहे उन कांटों में नापतोल विभाग की सील नजर नहीं आई और जो मूंग की तलाई ली जा रही है वह 50730,50740, 50700 इससे यह स्पष्ट होता है खरीदी केंद्र प्रभारी किसानों के साथ धोखा कर रहे हैं और माल ज्यादा ले रहे हैं

इधर हटा खरीदी केंद्र पर जो मूंग की खरीदी की जा रही है उसमें सभी किसानों को काफी समस्या हो रही है क्योंकि जो मूंग की खरीदी हटा में की है वहा पर जगह पर्याप्त न होने के चलते मूंग खरीदी केंद्र को पटेरा के पास राजाबंदी मैं चेंज किया गया जहां पर किसानों को मूंग तुलाई के लिये ट्रैक्टर ट्राली के माध्यम से उधर खरीदी केंद्र वेयरहाउस में लेकर जाना पड़ रहा इस दौरान वहां पर मौजूद एसडीएम तहसीलदार को भी किसानों ने अपनी परेशानी बताई इस दौरान पटेरा तहसीलदार ने यह भी कहा की जो हटा का मूंग खरीदी केंद्र था वह उपार्जन से वेयरहाउस भर गया और जो राजाबंदी में न्यू मूंग खरीद केंद्र बना है वहा पर सोमवार से मूंग खरीदी होगी जो भी किसान अपनी उपज लेकर आना चाहता है वह स्लॉट बुकिंग करके उस केंद्र पर पहुंचे और एफ ऐ क्यू ही माल लेकर आए आगर नोन एफ ऐ क्यू लेकर आयेगें तो पहले ग्रेडिंग होगी उसके बाद सही होगा तो ही लिया जायेगा क्योंकी यहा पर सब व्यवस्था की है

खरीदी केंद्र पर जो बचा माल वहां पर था वह नाफेड के द्वारा परिवहन किया जा रहा है और जो उपज की कीमत शासन ने तय कर रखी है उसके आधार पर किसानों के खाते में डाली जाएगी।

इंदौर आठवीं बार नंबर वन आया यह संकल्प लो कि आष्टा स्वच्छता में अगली बार नंबर वन आए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय

आष्टा। आष्टा में शुक्रवार को पुराना भोपाल इंदौर मार्ग पर स्थित पार्वती नदी पर अटल सेतु का लोकार्पण करने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पहुंचे इस दौरान उन्होंने नगर में नगर पालिका कार्यालय सहित अन्य विकास कार्यों का भूमि पूजन भी किया।

बता दें कि मध्य प्रदेश शासन के नगरीय निकाय व विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को शुक्रवार को शाम 4 बजे आष्टा आना था, लेकिन वह अपने व्यस्त कार्यों के चलते रात 8.45 बजे मंच पर पहुंचे। नगर के विकास कार्यों का लोकार्पण करने आए नगरीय निकाय व विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री ने एक मंत्र दिया है सब का साथ सबका विकास। हमारे लिए सबका विश्वास और सब का प्रयास यह हमारे प्रधानमंत्री जी का मंत्र और यह मंत्र देकर हमको चार्ज किया। जब हम सरकार की योजना का आवंटन करते हैं तो कोई भेदभाव नहीं करते। जो योजना हिंदू को मिलेगी वह मुस्लिम को ही मिलेगी।यदि रामकली बाई को लाडली बहन का पैसा मिलता है तो रमजान बी को भी मिलता है। जब हमारी सरकार बनी जब प्रदेश के बहुत बुरे हाल थें यहीं हाल केंद्र सरकार के थें।

कार्यालय नगर पालिक निगम, (यांत्रिकी शाखा), भोपाल

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-320 /यॉं.वि./2025 भोपाल. दिनाक- 25.07.2025

निम्न कार्य हेतु म.प्र. लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारो से आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण website https://www.mptenders.gov.in पर है।

क्रं.	निविदा क्रं.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत	निविदा क्रय करने का अंतिम	
				दिनांक	समय
1	2025_UAD_439651_1	CONSTRUCTION OF COVER DRAIN AT BABA NAGAR FROM ELECTRICIAN SHOP TO SWAGAT DWAR OF BABA NAGAR WARD 51 ZONE 06	700742	08.08.2025	05:30

नोट - सशोधन केवल वेबसाईट पर ही देखे जा सकेंगे, समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होंगे।

नि.क्रं.1983/025/026

कार्यपालन यंत्री (सिविल)
नगर निगम, भोपाल

भजनलाल सरकार का तीर्थ यात्रियों को तोहफा, 800 श्रद्धालु मुफ्त एसी ट्रेन से करेंगे रामेश्वरम दर्शन

अजमेर। राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार ने बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थ यात्रा योजना को फिर से शुरू कर श्रद्धालुओं को बड़ा तोहफा दिया है। इस योजना के पहले चरण में बुधवार को 800 श्रद्धालुओं का जत्था जयपुर रेलवे स्टेशन से विशेष एसी ट्रेन के जरिए रामेश्वरम के लिए रवाना हुआ। यात्रियों की सुविधा के लिए सरकार ने भोजन, ठहरने की व्यवस्था और यात्रा का पूरा खर्च मुफ्त उपलब्ध कराया है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जहां श्रद्धालुओं का पारंपरिक स्वागत कर फूल-मालाएं पहनाकर विदाई की गई। इस वर्ष की तीर्थ यात्रा योजना में कई खास बातें शामिल हैं। सरकार ने इस बार 56,000 श्रद्धालुओं को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। यात्रियों को स्लीपर कोच की बजाय आरामदायक एसी कोच में यात्रा कराई जा रही है। ट्रेन के 12 कोचों को राम दरबार की विशेष सजावट से सजाया गया है, जो यात्रा को और भी आध्यात्मिक बनाता है।

यह यात्रा एक सप्ताह की होगी, जिसमें श्रद्धालु रामेश्वरम के पवित्र स्थलों के दर्शन करेंगे। इसके अलावा, सरकार ने योजना को और विस्तार देते हुए 6,000 श्रद्धालुओं को नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर की हवाई यात्रा कराने की घोषणा की है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया अगले दो सप्ताह में शुरू होगी। रामेश्वरम के लिए रवाना हुए श्रद्धालुओं ने सावन के पवित्र महीने में इस यात्रा को पुण्य का कार्य बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राजस्थान सरकार का आभार जताते हुए इसे एक यादगार और ऐतिहासिक पहल करार दिया। यात्रियों ने कहा कि मुफ्त यात्रा और सुविधाओं ने उनके लिए तीर्थ दर्शन को और भी सुलभ और सुखद बना दिया है। यह योजना न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि बुजुर्गों के लिए सरकार की संवेदनशीलता को भी दर्शाती है।

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने मध्य विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक ध्रुव नारायण सिंह के निवास पर जाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

भोपाल।छोटे भैया चौराहे पर बाजार के दोनों अध्यक्ष और व्यापारी गणो के साथ पुलिस ने लोगों को नशा मुक्ति के बारे में जागरूक किया।

वैष्णो देवी जाना हुआ आसान, रेलवे ने चलाई स्पेशल ट्रेन

अमरनाथ और वैष्णो देवी के दर्शन के इच्छुक श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी है। पश्चिम मध्य रेलवे ने जबलपुर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन केवल दो फेरों के लिए चलेगी। इससे यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा संचालित की जा रही यह ट्रेन 01707 और 01708 नंबर से चलने वाली है। यात्रा अगस्त महीने में शुरू होगी और ये विशेष ट्रेन अमरनाथ और वैष्णो देवी के तीर्थयात्रियों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। जबलपुर से कटरा स्पेशल ट्रेन 4 अगस्त और 11 अगस्त को जबलपुर से सुबह 5ः25 बजे रवाना होगी। यात्रा के अगले दिन शाम 6ः00 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्टेशन पहुंचेगी। रास्ते में प्रमुख कटनी मुड़वारा सुबह 6: 45 बजे, दमोह सुबह 8:10 बजे, सागर सुबह 9:15 बजे ठहराव होंगे। अन्य स्टेशनों जैसे झांसी, ग्वालियर, मुरैना आदि से होकर यह ट्रेन कटरा पहुंचेगी। वापसी मार्ग पर यह ट्रेन 5 अगस्त और 12 अगस्त को कटरा से रात 9ः15 बजे रवाना होगी और तीसरे दिन सुबह 9ः35 बजे जबलपुर पहुंचेगी। सागर तड़के 3:30 बजे दमोह सुबह 4: 50 बजे, कटनी मुड़वारा सुबह 7: 15 बजे वापसी मार्ग में प्रमुख ठहराव होंगे।

आरक्षण और टिकट बुकिंग

इस स्पेशल ट्रेन में यात्रा करने के लिए टिकटों का आरक्षण 25 जुलाई से शुरू होगा। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे समय रहते बुकिंग कर लें, क्योंकि ट्रेन के सीमित फेरों के कारण सीटें जल्दी भर सकती हैं। यात्रियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे पहले से टिकट बुक करें ताकि यात्रा में कोई असुविधा न हो।

स्पेशल ट्रेन के फायदे

यह स्पेशल ट्रेन उन श्रद्धालुओं के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी जो अमरनाथ और वैष्णो देवी के दर्शन के लिए यात्रा करने का विचार कर रहे हैं। विशेष ट्रेन चलने से यात्रा की कठिनाइयों को कम किया जाएगा और श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के सीधे कटरा तक पहुंच सकेंगे।

सेवानिवृत्त आईएएस बिपिन मांझी बने छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी निर्वाचन आयुक्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) अधिकारी बिपिन मांझी को राज्य सहकारी निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्त किया है। सहकारिता विभाग ने शुक्रवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 के तहत की गई है और यह उनके पदभार ग्रहण करने की तारीख से अगले दो वर्षों के लिए प्रभावी रहेगी। बिपिन मांझी 2009 बैच के द्रस अधिकारी रहे हैं और अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियों को कुशलतापूर्वक निभा चुके हैं। उनकी नियुक्ति को सहकारी समितियों के चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नियुक्ति आदेश के अनुसार, बिपिन मांझी का कार्यकाल दो वर्ष का होगा, जिसमें वे राज्य की सहकारी समितियों के निर्वाचन प्रक्रिया की निगरानी और संचालन करेंगे।

सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत, अब माता-पिता की सेवा के लिए हर साल मिलेगी 30 दिन की छुट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। सरकार ने एक अहम निर्णय लिया है। इसके तहत अब सरकारी कर्मचारी अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल के लिए 30 दिन का अवकाश ले सकते हैं। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बारे में राज्यसभा में जानकारी दी। यह व्यवस्था केंद्रीय कर्मचारियों के लिए उपलब्ध है और इसके तहत कर्मचारी अपने माता-पिता की देखभाल सहित अन्य निजी कारणों के लिए अवकाश ले सकते हैं। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को सेवा नियमों के तहत हर साल 30 दिन का अर्जित अवकाश मिलेगा। इसमें 20 दिन का अर्ध वेतन अवकाश, आठ दिन की आकस्मिक छुट्टी और दो दिन का निरुद्ध अवकाश मिलता है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि इन अवकाशों का उपयोग निजी कारणों से किया जा सकता है, जिनमें माता-पिता की देखभाल प्रमुख कारण है। इन छुट्टियों का प्रयोग कर्मचारियों के लिए पारिवारिक जिम्मेदारियों को पूरा करने में सहायक हो सकता है, खासकर तब जब माता-पिता बुजुर्ग हों या बीमार हों। यदि किसी कर्मचारी के माता-पिता बीमार हैं, तो वह अपने चिकित्सा अवकाश का उपयोग कर सकते हैं। इसके अलावा, आधे वेतन पर अवकाश भी लिया जा सकता है, जो कर्मचारियों को अपनी निजी जिम्मेदारियों को निभाने का अवसर देता है। केंद्रीय कर्मचारियों को अब बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल के लिए 30 दिन का अवकाश मिलेगा। कर्मचारियों को 30 दिन का अर्जित अवकाश, 20 दिन अर्ध वेतन, 8 दिन आकस्मिक छुट्टी और 2 दिन निरुद्ध अवकाश मिलेगा। यह सुविधा न केवल पुरुष कर्मचारियों के लिए बल्कि महिला कर्मचारियों के लिए भी उपलब्ध है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को अपने माता-पिता की देखभाल के लिए यह अवकाश समान रूप से प्राप्त होगा। यह कदम महिलाओं को काम और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन बनाने में मदद करेगा, खासकर उन परिस्थितियों में जब पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने यह भी बताया कि सरकार ने लोक शिकायतों के निवारण की प्रक्रिया को तेज किया है। 2019 में जहां शिकायतों का निवारण 28 दिनों में होता था, वहीं अब यह समय घटकर 16 दिन रह गया है। यह सुधार केंद्र सरकार की लोक शिकायत निवारण प्रणाली में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वीरांगना फूलन देवी की पुण्यतिथि पर सपा प्रदेश कार्यालय में दी गई श्रद्धांजलि

भोपाल। समाजवादी पार्टी मध्यप्रदेश द्वारा आज प्रदेश कार्यालय में बहुजन समाज की आइकन और शोषितों-पीड़ितों की आवाज़ वीरांगना फूलन देवी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर सपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने कहा कि फूलन देवी सिर्फ एक नाम नहीं हैं, बल्कि वो हर उस आवाज़ का प्रतीक हैं, जो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ खड़ी होती है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व प्रदेश प्रमुख महासचिव राजेन्द्र कुमार, अनुशासन समिति के प्रदेश अध्यक्ष श्री रतनलाल बाथम, समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष श्री बाबूलाल पहलवान, प्रदेश सचिव श्री नीलेश यादव एवं समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश सचिव एडवोकेट शैलेन्द्र यादव सहित अन्य कार्यकर्ता व पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी ने वीरांगना फूलन देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी एवं उनके संघर्षपूर्ण जीवन से प्रेरणा लेकर सामाजिक न्याय व समानता के आंदोलन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

करगिल विजय दिवस पर भाजपाइयों ने शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

शहडोल। करगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल शहडोल द्वारा शहीद स्मारक, सिटी कोतवाली के सामने, अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 09ः30 बजे हुआ, जहां भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमति अमिता चपरा और नगर अध्यक्ष प्रियम त्रिपाठी की अगुवाई में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने अपने संबोधन में करगिल युद्ध में भारतीय सेना की वीरता, समर्पण और बलिदान को याद करते हुए कहा कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर जवान हमारे लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। उनका बलिदान हमें सदैव देशसेवा की भावना से कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम में नगर ऋतुराज गुप्ता, गोपाल शर्मा,राकेश सैनी एवं सोनू जैसवाल भी मौजूद रहे और उन्होंने पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित की।

इस दौरान नगर महामंत्री नागेंद्र गोले एवं अनमोल सोनी, नगर मंत्री राजेश सोनी,राकेश कनौजिया,आयुष पाण्डेय एवं चन्द्रकान्त दुबे ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि हम उनके सपनों का भारत बनाने के लिए कटिबद्ध हैं।

नगर कार्यालय मंत्री अंकित सराफ और सह-कार्यालय मंत्री मोहित कुमार गुप्ता, नगर सोशल मीडिया प्रभारी बृजेन्द्र वर्मन और सह प्रभारी आदित्य पाण्डेय, नगर सह-मीडिया प्रभारी अजय मोटवानी, नगर कार्यालय प्रभारी प्रदीप गुप्ता भी इस अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि सभा के दौरान राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया और 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम', 'अमर शहीद अमर रहें' जैसे राष्ट्रभक्ति के नारों से माहौल गूंज उठा। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उनके बलिदान को नमन किया।

इस आयोजन में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों और स्थानीय नागरिकों की सहभागिता रही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र के नाम समर्पित संकल्प के साथ किया गया, जिसमें उपस्थितजनों ने देश की एकता, अखंडता और समर्पण के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

करगिल विजय दिवस की इस स्मृति में भाजपा शहडोल नगर मंडल का यह आयोजन न केवल वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर बना, बल्कि युवाओं में देशप्रेम और राष्ट्रभक्ति की भावना को और प्रबल करने वाला प्रेरणादायक क्षण भी रहा।

भोपाल। सैनिक कल्याण बोर्ड में कारगिल विजय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मजिस्ट्रेट संकेत श्रीवास्तव एवं मुख्य वक्ता अनिकेत श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

योगी सरकार का तोहफा, कृषि श्रमिकों को अब इतनी मिलेगी न्यूनतम मजदूरी, बढ़ेगी आमदनी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कृषि मजदूरों के हित में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए न्यूनतम मजदूरी की दरों में व्यापक संशोधन किया है। अब राज्य के सभी जिलों में कृषि कार्यों से जुड़े वयस्क श्रमिकों को 252 रुपये प्रतिदिन या 6552 रुपये प्रति माह न्यूनतम मजदूरी प्राप्त होगी। इस निर्णय से लाखों खेतिहर मजदूरों, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, कुक्कुट पालन जैसे कृषि आधारित उद्योगों से जुड़े लोगों को वित्तीय सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन का आधार मिलेगा। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन विभाग डॉ. एमके शनमुगा सुन्दरम् ने बताया कि यह दरें राज्य के हर प्रकार की खेती पर लागू होंगी, चाहे वह परंपरागत कृषि हो, मशरूम उत्पादन हो या मंडी तक फसल पहुंचाने का श्रम हो। इसमें दुग्ध उत्पादन, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, कुक्कुट पालन और इनसे जुड़ी सभी सहायक गतिविधियां भी शामिल हैं।

डिजिटल माध्यमों से मजदूरी का भुगतान

योगी सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि मजदूरी का भुगतान अब नकद, आंशिक नकद, कृषि उपज या डिजिटल माध्यमों से किया जा सकता है, लेकिन किसी भी स्थिति में मजदूरी की कुल राशि विहित दर से कम नहीं होनी चाहिए। इस कदम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा मिलेगा और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकेगी। न्यूनतम मजदूरी की प्रति घंटे दर भी दैनिक मजदूरी का 1/6 भाग से कम नहीं हो सकेगी, जिससे अल्पकालिक श्रमिकों के हितों की भी रक्षा होगी। योगी सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी श्रमिक को पहले से इस दर से अधिक मजदूरी मिल रही है, तो वह जारी रहेगी और इसे ही न्यूनतम मानक माना जाएगा। सरकार के फैसले से सुधरेंगे कृषि श्रमिकों के दिन योगी सरकार का यह फैसला सिर्फ मजदूरी तय करने का नहीं, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की श्रमिक नीति में मूलभूत बदलाव का संकेत है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य कर रहे लाखों श्रमिकों को सीधा लाभ मिलेगा और कृषि कार्यों में श्रम की गुणवत्ता व निरंतरता सुनिश्चित होगी। यह निर्णय योगी सरकार की ÷सबका साथ, सबका विकास नीति का एक और उदाहरण है, जिसमें खेतिहर मजदूरों को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। बता दें कि इससे पहले भी सरकार ने ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से असंगठित क्षेत्र के करोड़ों मजदूरों का पंजीकरण कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ा था। न्यूनतम मजदूरी की यह नई अधिसूचना उसी श्रंखला में एक और मजबूत कड़ी है. यह फैसला न केवल श्रमिक कल्याण, बल्कि कृषि क्षेत्र में श्रमिकों की स्थायीत्व और उत्पादन क्षमता को बढ़ावा देगा।

इंटेल का बड़ा फैसला, इस साल 24 हजार से ज्यादा कर्मचारियों की करेगी छटनी

मुंबई, एजेंसी। इंटेल दुनिया की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनियों में गिनी जाती है। कंपनी ने हाल ही में नए सीईओ का ऐलान किया था। अब उनकी लीडरशिप में कंपनी अपने स्ट्रक्चर को भी बेहतर बनाने में लगी है, लेकिन सीईओ द्वारा लिए गए बड़े निर्णय एम्पलाइज को निराश कर सकते हैं। साल 2025 के अंत तक कंपनी बड़ी मात्रा में छंटनी कर सकती है।

इंटेल ने नए सीईओ लिप बू तान की लीडरशिप में नया फैसला लिया है। कंपनी इस साल अपनी वर्कफोर्स में से 25त्र से ज्यादा की छंटनी करने जा रही है। कंपनी लगभग 24,000 कर्मचारियों को बाहर करने जा रही है। इसके अलावा कॉस्ट कटिंग के साथ कंपनी ने रिस्ट्रक्चरिंग की भी घोषणा की है। बता दें कि इंटेल दुनिया की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनियों में गिनी जाती है। ऐसे में यह छंटनी बड़े पैमाने पर चर्चा का विषय बनी हुई है। कंपनी ने न सिर्फ छंटनी का निर्णय किया है, बल्कि इसके साथ ही जर्मनी और पोलैंड में अपने जरूरी एक्सपेंशन प्रोजेक्ट्स को भी रद्द कर दिया है। इस समय कंपनी की आर्थिक स्थिति बेहतर नहीं है। नए सीईओ ने अब कंपनी की आर्थिक स्थिति सुधारने का निर्णय लिया है। ऐसे में कंपनी का स्ट्रक्चर सुधर रहा है। अगर साल 2024 पर नजर डाली जाए तो कंपनी में वर्कफोर्स की कुल संख्या 99,500 थी।

भारतीय अर्थव्यवस्था और टैरिफ

एन के त्रिपाठी

अत्यधिक राजनीतिक और शोरगुल वाले भारत में, आर्थिक मुद्दे पीछे छूट गए हैं। भारत को ध्यान रखना चाहिए कि विश्व व्यापार संगठन के पतन ने टैरिफ और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए अराजक स्थिति पैदा कर दी है। देश व्यापार समझौतों के लिए दौड़ रहे हैं। भारत ने हाल ही में ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता किया है और यूरोपीय संघ से बातचीत कर रहा है। अमेरिका ने ब्रिटेन, मेक्सिको, कनाडा, दक्षिण पूर्व एशियाई देशों, जापान और कुछ अन्य देशों पर अपने टैरिफ को औपचारिक रूप दे दिया है। वह चीन के साथ अपने समझौते का विवरण दे रहा है। हालाँकि, भारत और यूरोपीय संघ के साथ बड़े समझौतों की संभावनाएँ धूमिल हो गई हैं। भारत के साथ अमेरिका का टैरिफ समझौता संभव नहीं लग रहा है क्योंकि भारत अपनी कृषि और डेयरी की सुरक्षा पर अड़ा हुआ है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जिसके निर्यात में 17त्र से अधिक हिस्सेदारी है। भारत का व्यापार और उद्योग अनिश्चितता में है और शेयर बाजार अस्थिर है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में गिरावट देखी जा रही है। बैंक ऋण सुस्त हो रहे हैं। ईंधन की खपत घट रही है, जिससे मांग कम हो रही है। बाहरी क्षेत्र कमज़ोर होता जा रहा है। फिर भी, ऋब्द्ध ने देश की आर्थिक प्रगति को लेकर सतर्क आशावाद व्यक्त किया है। ऋब्द्ध के इस आशावाद का कारण क्या है? भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। इसकी व्यापक आर्थिक क्षमता ने अतीत में सभी संकटों से उबरने की क्षमता दिखाई है। समग्र विकास उत्साहजनक है। भारत बहुत जल्द दुनिया की 11वीं से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। सभी मंत्रालयों के इंजन सक्रिय हैं। सभी प्रकार के सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे का निर्माण तेज़ी से किया जा रहा है। विकास दर मज़बूत होने के अलावा, मुद्रास्फीति कम है और रुपया स्थिर है। भारत का बाह्य क्षेत्र लचीलापन दिखा रहा है। बजट संतुलित है और राजकोषीय अनुशासन बनाए रखा जा रहा है। बैंक खराब ऋण की महामारी की समस्या से उबर चुके हैं। ऋब्द्ध अपना प्राथमिक मौद्रिक कर्तव्य, यानी मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना, निभा रहा है। पहले के सुधारों के बाद, अप्रिय असमानता को छोड़कर, मोदी कुछ महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधारों को आगे बढ़ाने में सफल रहे हैं। वस्तु एवं सेवा कर (त्स्ज्ञ) के कार्यान्वयन ने एक साझा राष्ट्रीय बाजार का निर्माण किया है और यह एक क्रांतिकारी बदलाव साबित हुआ है। दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता ने कॉर्पोरेट संकट को सुव्यवस्थित किया है। डिजिटल क्रांति वित्तीय समावेशन को गहरा कर रही है और उत्पादकता बढ़ा रही है। अधिकांश देशों में स्थिति बहुत अलग है और यह भारत के लिए एक बड़ी ताकत है। यद्यपि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार महत्वपूर्ण है, लेकिन यह भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार नहीं है। फिर भी, टैरिफ युद्ध के अशांत जल में टिके रहने के लिए भारतीय विनिर्माण और सेवा क्षेत्र को अपनी गुणवत्ता में सुधार करना होगा और लागत कम करनी होगी।

कमलनाथ व नकुलनाथ 31 जुलाई को आयेंगे

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व नकुलनाथ का छिन्दवाड़ा आगमन होने जा रहा है। आगमन उपरांत नेताद्वय जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के साथ ही छिन्दवाड़ा व पांढुर्ना जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व आमजन से मुलाकात करेंगे। नेताद्वय 31 जुलाई से 2 अगस्त तक छिन्दवाड़ा दौरे पर रहेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार कमलनाथ जी एवं नकुलनाथ का दिनांक 31 जुलाई दिन गुरुवार को छिन्दवाड़ा आगमन होगा। आगमन उपरांत नेताद्वय जिला कांग्रेस कमेटी के निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। दिनांक 1 अगस्त दिन शुक्रवार को निज निवास शिकारपुर कमलकुंज में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होने के पश्चात कमलनाथ एवं नकुलनाथ जी अन्य कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। दिनांक 2 अगस्त दिन शनिवार को कमलनाथ एवं नकुलनाथ जी पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों में शामिल होने के साथ ही जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यक्रमों में उपस्थिति होंगे।

बिजली और तूफान के साथ भारी बारिश होने की संभावना

छिंदवाड़ा। भोपाल द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (26 से 30 जुलाई) घने बादल रहने एवं दिनांक 26.07.2025 एवं 27.07.2025 को बिजली और तूफान के साथ बहुत भारी बारिश होने एवं दिनांक 28.07.2025 से 30.07.2025 को बिजली और तूफान के साथ भारी बारिश होने की संभावना है । अधिकतम तापमान 24-26 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 21-22 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है । अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 94-97 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 74-80 प्रतिशत रहने की संभावना है । आने वाले दिनों में हवा उत्तर-पश्चिम, पूर्व एवं पश्चिम दिशाओ में बहने एवं 15-19 कि. मी. प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है ।

9 स्थानों पर उपलब्ध है नॉन-रेल हेड व डाकघर में रेल आरक्षण की सुविधा

छिंदवाड़ा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा और उनकी पहुंच को ध्यान में रखते हुए स्टेशन के अलावा अन्य स्थानों से भी आरक्षित टिकट बुकिंग की सुविधा प्रदान की उपलब्ध है। इस सुविधा के अंतर्गत मंडल के 09 प्रमुख स्थानों - मोतीबाग, नागपुर एयरपोर्ट, लखनादौन, शंकरनगर-नागपुर, सक्कारदारा-नागपुर, छिंदवाड़ा, भंडारा, बैहर तथा खैरागढ़ स्थित डाकघरों एवं नॉन- रेल हेड केंद्रों पर रेल आरक्षण सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यह सुविधा भारतीय रेलवे की कम्प्यूटरीकृत आरक्षण प्रणाली के माध्यम से संचालित होती है, जिसके अंतर्गत यात्री सभी ट्रेनों के लिए आरक्षित टिकट बुक कर सकते हैं। विशेष रूप से यह सुविधा उन यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है जो ग्रामीण या अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में निवास करते हैं तथा स्टेशन से दूरी के कारण आरक्षण केंद्र तक पहुंचना कठिन होता है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि यह सेवा रेलवे की यात्री सुविधा सर्वोपरि नीति के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कदम है, जो डिजिटल इंडिया एवं स्मार्ट रेलवे की दिशा में रेलवे की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

नागपुर का नकली घी रामगढ़ में पकड़ाया

चौरई। क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में नकली घी व्यापारी प्रवेश कर चुके है ,नागपुर के व्यापारी भोले भाले ग्रामीणों को कम दामों का लालच देकर नकली घी बेच रहे है जो कि सेहत के लिए हानिकारक है, हालाकि की देखने से नकली

एवं असली घी में ज्यादा फर्क समझ नहीं आता है, जिसके चलते लोग बाहर के व्यापारी से घी खरीद भी लेते ।परंतु नकली घी कम दामों में तो मिलता है पर खाने पर शरीर में असर करना भी प्रारंभ कर देता है, शुक्रवार को चौरई से महज 15 किलोमीटर दूर रामगढ़ में नकली घी व्यापारी पकड़ाया है जो कि काफी दिनों से ग्रामों में नकली घी सप्लाई करता था, खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज घाघरे ने जानकारी में बताया कि आकाश गिरी निवासी नागपुर बड़ी मात्रा में नकली घी सप्लाई करता था ,कुछ जागरूक ग्रामीणों ने आकाश की शिकायत की थी जिसके बाद मौके पर पहुंच कर साढ़े छः लीटर नकली घी जप्त किया गया है एवं तीन सैंपल निकाले गए है ,सेंपल भोपाल पहुंचाया गया है ,जांच रिपोर्ट आने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

आदिवासी छात्रावास अधीक्षक शराब पार्टी मामले में निलंबित

सोशल मीडिया वीडियो से खुला मामला

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश ङ्क जनजातीय कार्य विभाग के अधीन संचालित आदिवासी जूनियर बालक छात्रावास, लहगडुआ के अधीक्षक श्री अनिल सोलंकी (मूल पद प्राथमिक शिक्षक) को शराब पीने और पार्टी करने के मामले में निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई तब की गई जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्हें छात्रावास परिसर में शराब पार्टी करते हुए देखा गया।यह आचरण उनके पद की गरिमा और जिम्मेदारियों के विपरीत पाया गया। कलेक्टर कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार, श्री सोलंकी का यह कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1965 के नियमों का उल्लंघन है, जो गंभीर अनुशासनहीनता और कदाचरण की श्रेणी में आता है।इसके चलते उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, तामिया नियत किया गया है। साथ ही, उन्हें नियमानुसार भत्तों की पात्रता रहेगी।प्रशासन ने यह स्पष्ट किया है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। मामला अब प्रशासनिक जांच के अधीन है, और आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

पुलिस ने किया अंधे कत्ल का खुलासा आरोपी गिरफ्तार

शराब के नशे में की थी हत्या, सिर पर लकड़ी से प्रहार कर मौत के घाट उतारा

छिंदवाड़ा। धरमटेकड़ी चौकी के अंतर्गत पुलिस ने एक अंधे कत्ल का खुलासा करने में सफलता हासिल की और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी ने शराब के नशे में हत्या की थी। पत्रकारों से चर्चा करते हुए पुलिस अधीक्षक अजय पाण्डेय ने बताया कि धरमटेकड़ी चौकी के अंतर्गत दीपचंद तुमडाम के खेत के पास ग्राम राजाखोह में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला था जिसके चेहरे पर तथा सिर पर गंभीर चोट पहुंचाकर मार दिया गया था। इस हत्याकांड के आरोपी को पकड़ना चुनौती पूर्ण था लेकिन पुलिस टीम ने आरोपी को पकड़कर अंधे हत्याकांड का पर्दाफास कर दिया। एसपी श्री पाण्डेय ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति की पहचान केवल पिता बुध्दु चंद्रवंशी उम्र 48 वर्ष निवासी धबई हाल काराबोह के रूप में हुई मौके पर मर्ग कायम कर घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति को पकड़ने के लिए पुलिस टीम बनाई गई। अज्ञात आरोपी की पतासाजी के लिए थाना प्रभारी उप.निरीक्षक महेन्द्र भगत द्वारा थाना एवं चौकी स्तर पर टीम गठित की गई। तत्पर्यता पूर्वक विवेचना कर मृतक केवल की मृत्यु के संबंध में घटना स्थल के आसपास मुखबिर तंत्र सक्रिय कर आसपास एवं अन्य लोगों से पूछताछ की गई लगातार तलाश पतासाजी करते हुए संदेही रामलाल पिता पूरन धुर्वे उम्र 55 वर्ष निवासी राजाखोह जमुनिया बस स्टैण्ड में घूम रहा था उसे अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी शराब के नशे में था आरोपी ने मृतक केवल चंद्रवंशी को माथे पर लकड़ी से मारकर चोट पहुंचाकर मृत्यु कारित करना स्वीकार किया गया। आरोपी को को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां उसे जेल भेज दिया गया है। आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त सामग्री जब्त कर ली गई। आरोपी को पकड़ने में कुंडीपुरा थाना प्रभारी सहित स्टॉप की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से सांसद ने की मुलाकात

सांसद ने छिन्दवाड़ा और पाण्ढुर्णा के विकास सहित अन्य मुद्दों पर की चर्चा

छिन्दवाड़ा। लोकसभा क्षेत्र छिन्दवाड़ा और पाण्ढुर्णा के विकास को लेकर कृतसंकल्पित सांसद बंटी विवेक साहू मानसून सत्र के दौरान दिल्ली प्रवास में रहकर छिन्दवाड़ा और पाण्ढुर्णा के विकास के संबंध में केन्द्रीय मंत्रियों से लगातार मुलाकात कर रहे है। गत दिनों केन्द्रीय रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया व शहरी आवास विकास राज्य मंत्री श्री तोखन साहू से मुलाकत के बाद शुक्रवार को संसद भवन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है।

सांसद बंटी विवेक साहू ने केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान उन्हें ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुये उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त किया। सांसद श्री साहू ने केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह से छिन्दवाड़ा एवं पाण्ढुर्णा में केन्द्र एवं राज्य सरकार के सहयोग से चल रहे विभिन्न विकास कार्यो और राजनैतिक मुद्दों पर बात करते हुये उन्हें जानकारी दी। उन्होंने गृहमंत्री श्री शाह को दोनों जिलों में विकास कार्यों की जानकारी देते हुये उनसे सहयोग की अपेक्षा की। गृहमंत्री अमित शाह ने भी सांसद बंटी विवेक साहू द्वारा बताये गये सभी मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा करते हुये हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

सांसद ने दोनों जिलों का बनाया है विकास का विजन

उल्लेखनीय है कि सांसद बंटी विवेक साहू अपने मात्र एक वर्ष के कार्यकाल के दौरान दिल्ली और भोपाल के प्रवास में रहते हुए केन्द्रीय मंत्रियों व कैबिनेट मंत्रियों और अधिकारियों से लगातार मुलाकात करते हुए छिंदवाड़ा एवं पांढुर्णा के विकास को लेकर चर्चा कर रहे है। जिसके सार्थक परिणाम दिखाई दे रहे है और आगे भी कई विकास कार्य होने की संभावना बढ़ गई है। इससे यह तय होता है कि सांसद बंटी विवेक साहू ने छिंदवाड़ा एवं पांढुर्णा के विकास को लेकर एक विजन बना रखा है, जिस पर वे लगातार काम भी कर रहे है।

जनपद अध्यक्ष पर गबन का आरोप... स्वसहायता समूह की महिलाओं ने शिवपुरी थाने में दर्ज कराई शिकायत

छिंदवाड़ा/ परासिया। जनपद पंचायत परासिया की अध्यक्ष और आदर्श स्व-सहायता समूह की सचिव आशा आम्रवंशी पर तीन लाख रुपये के गबन का आरोप लगा है। समूह की महिलाओं ने शिवपुरी थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है, वहीं भाजपा मंडल अध्यक्ष ने भी इस मामले में थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा है।

महिलाओं का आरोपत्तुमड़ी गांव की आदर्श स्वसहायता समूह की सदस्य रंजीता नागवंशी और अन्य महिलाओं ने आरोप लगाया कि जनपद अध्यक्ष आशा आम्रवंशी, जो समूह की सचिव भी हैं, ने बिना समूह की सदस्यों को जानकारी दिए झुर्रेमाल स्टेट बैंक से तीन लाख रुपये का लोन अपने चेक द्वारा निकाल लिया। इस लोन के लिए फर्जी प्रस्ताव तैयार किया गया और सदस्यों के फर्जी हस्ताक्षर कर दिए गए। महिलाओं को इस गबन की जानकारी तब हुई जब वे बैंक पहुंचीं, जहां उनके खातों को होल्ड कर दिया गया। समूह अध्यक्ष का बयान-समूह की अध्यक्ष कीर्ति बालवंशी ने बताया कि सचिव ने उनसे कहा था कि लोन रिन्यूअल के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, जिससे जिनकी किश्तें जमा हैं उन्हें राशि मिल सके और बाकी को किश्त जमा करने का समय मिल जाए। इसी विश्वास में रजिस्टर पर हस्ताक्षर कराए गए, लेकिन सचिव ने बैंक से तीन लाख की राशि निकाल ली।आशा आम्रवंशी का पक्ष-जनपद अध्यक्ष एवं समूह सचिव आशा आम्रवंशी ने आरोपों को निराधार बताया। हालांकि उन्होंने यह स्वीकार किया कि उनके द्वारा 1.50 लाख रुपये निकाले गए थे, जिसकी जानकारी समूह अध्यक्ष को नहीं दी गई थी। पुलिस जांच जारी-शिवपुरी थाना प्रभारी कंचन राजपूत ने बताया कि समूह की महिलाओं द्वारा दर्ज शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और उचित कार्रवाई की जाएगी।

यू.पी.आई के उपयोग के लिए किसानों के लघु बचत खाते सहकारी बैंकों में खोले जावे

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। सहकारी बैंक के किसानों के खातों में ए.टी.एम कार्ड की सुविधा है, उन्हें यू.पी.आई पेमेन्ट की सुविधा नहीं है। बैंक वालो का कहाना है कि किसान जिसके नाम का खाता है वह तो ए.टी.एम का उपयोग नहीं करता उसके रिस्तेदार जैसे बेटे,बेटी, भाई उसका उपयोग करते हैं।

सरकार को डर है कि यदि यू.पी.आई की सुविधा मिल गई तो किसानों को पता ही नही चलेगा और उनके खातो से रूपया निकल जावेगा और किसान को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा, सरकारी अधिकारियों ने सुझाव दिया कि यू.पी.आई के उपयोग के लिए किसानों का एक लघु बचत खाता अलग से होना चाहिये जिसमें खाते की लिमिट 10 से 20 हजार हो, याने वह एक माह में इससे ज्यादा खर्च नहीं करना पड़ेगा, लिमिट होने से वह छोटे मोटे खर्च यू.पी.आई के माध्यम से खर्च कर सकता है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की जिले में 26 शाखाये एवं 145 सोसायटी है और चार लाख किसानों के साथ है बैक किसानों के लघु बचत खाते खोले तो चार लाख नये खाते और खुल जायेंगे, इसके माध्यम से किसान लेन-देन कर सकता है, इससे उसे बार बार बैंक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और इससे डिजिटल ट्रान्जेक्शन बढेगा और बैंक का डिपाजिट बढेगा और लेन-देन के माध्यम से सरकार को जी.एस.टी भी मिलेगा।

मांसाहारी दूध का अमेरिका से सरकार अनुबंध करे : अरूण कपूर

छिंदवाड़ा। जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष अरूण कपूर ने अमेरिका से मांसाहार दूध के आयात का विरोध किया है, उन्होने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि अमेरिका से दूध एवं उसके उत्पाद का आयात न करने का अनुबन्ध करे, ट्रम्प सरकार इस बात का दबाव सरकार पर डाल रही है। दूध हमारी आस्थाका प्रतिक है जो श्रद्धापूर्वक भगवान को चढाया जाता है, मांसाहारी दूध भगवान को यदि चढाया जावेगा तो हमारी आस्था को ठेस पहुंचेगी।

विकासखंड कबड्डी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

छिंदवाड़ा। विकासखंड स्तरीय छिंदवाड़ा शालेय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन खेल युवा कल्याण विभाग के हाल में किया गया। प्रतियोगिता में एम.एल.बी., चंदनगांव, जवाहर ,बौहनाखैरी,संदीपनी,डीएचएस, बालाजी पब्लिक स्कूल, आसाराम गुरुकुल विद्यानिकेतन ,एडीफाई सहित अन्य विद्यालयों के लगभग 500 खिलाड़ी छात्राओं ने भाग लिया ।इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी के के चौरसिया, संयोजक प्राचार्य श्री दिलीप ढोके, विकासखंड क्रीड़ा प्रभारी आशा माहुले, राकेश चौरसिया आनंद गिरिपुंजे, सरिता चांदेकर, उर्मिला उपाध्याय, नूतन बारस्कर सहित विभिन्न विद्यालयों के खेल शिक्षक खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन हेतु विशेष रूप से उपस्थित रहे ।प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता हेतु चयन समिति द्वारा किया गया ।प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने प्रीति मार्को ,मोहन वर्मा, शेख इदरीश अहमद ,राजेंद्र पवार, कीर्ति पवार, देवराव सरेयाम ने निर्णायक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । चयनित खिलाड़ी छात्र-छात्राओं को बीईओ अशरफ अली, संयोजक प्राचार्य अलका श्रीवास्तव ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

महाप्रबन्धक द्वारा संविदा कर्मचारियों का किया स्थानांतरण

पांढुरना। मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण (एमपीआरआरडीए) छिंदवाड़ा में पदस्थ त्ररूकविता पटवा और मुख्यालय स्तर के वरिष्ठ अधिकारी अल्प वेतन पर गुज़ारा कर रहे संविदा कर्मचारियों के स्थानांतरण के चलते एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं इस बार महाप्रबंधक द्वारा अपने कृपा पात्र कर्मचारियों को बचाते हुए नियम विरुद्ध तरीके से संविदा कर्मचारियों का स्थानतरण मुख्यालय स्तर के वरिष्ठ अधिकारियो से सांठ गाँठ कर पांढुरना करवा दिया गया है। महाप्रबंधक की कार्यप्रणाली पहले भी विवादित रहीं हैं ढ्ढ एमपी ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण भोपाल के आदेशानुसार इकाई 2 छिंदवाड़ा को पुनर्गठित कर नवीन ज़िला पांढुरना कि इकाई बनाया जाकर स्टॉफ सहित ट्रांसफर कि कार्यवाही कि जानी थी, किन्तु महाप्रबंधक द्वारा अपने कृपा पात्र अधिकारी कर्मचारियों को बचाने के लिए मुख्यालय स्तर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियो से सांठ गाँठ कर नियम विरुद्ध तरीके से कुछ संविदा कर्मचारियों का स्थानांतरण पांढुरना करवा दिया गया हैं। जिसके कारण अल्प वेतन में गुज़ारा कर रहें कुछ संविदा कर्मचारियों सहित उनका परिवार और परिवार के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई हैं महाप्रबंधक कविता पटवा के कृपा पात्र अधिकारी और कुछ संविदा कर्मचारियों को अपनी मनमानी करके रोके रखने कि व्यवस्था प्रशासनिक स्तर पर बनाई गयीं थी, जो कारगर रही। कुछ संविदा कर्मचारियों ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि त्ररूमैडम की अनुशंसा पर ऐसे संविदा कर्मचारियों का स्थानांतरण पांढुरना किया गया, जिनका नियमानुसार स्थानांतरण होना ही नहीं चाहिए था ढ्ढ पूर्व में मुख्यालय भोपाल द्वारा ज़ारी आदेश, में भी स्पष्ट तौर पर इकाई 2 छिंदवाड़ा को पांढुरना की पुनर्गठित इकाई दर्शाया गया हैं, जिसके अनुसार इकाई 2 के अधिकारी और संविदा कर्मचारियों को ही पांढुरना स्थानांतरित किए जाना था।

बंद आंखों से जांच कर रहा आबकारी विभाग

उपनिरीक्षक आकाश मेश्राम की 'गहन' निरीक्षण वाली टीप से खुली पोल

छिंदवाड़ा। जिले का आबकारी विभाग कितनी गंभीरता से काम कर रहा है उसकी एक बानगी यह मामला है। इस मामले से पता चलता है कि शहर के रेस्टोरेंट बार को लाइसेंस देने के लिए जो निरीक्षण किया जाता है वह

कितना 'गहन' होता है। विभाग की इस 'गहनता' की पोल आबकारी उपनिरीक्षक आकाश मेश्राम की एक टीप से खुल गई। दरअसल शहर में संचालित रेस्टोरेंट बार को लाइसेंस देने की प्रक्रिया में उस स्थल का निरीक्षण करना भी शामिल होता है जिस स्थान पर रेस्टोरेंट बार संचालित किया जाना है। छिंदवाड़ा शहर में आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त क्रमांक 2 आकाश मेश्राम वर्तमान में यह निरीक्षण करते हैं। आश्चर्य की बात है कि स्थल निरीक्षण के दौरान उन्हें बेसमेंट और प्रथम तल में फर्क समझ नहीं आया। गुरैया रोड पर स्थित यारी रंस्टोरेंट बार रानी कोठी लॉन से कुछ आगे स्थित एक काम्पलेक्स में प्रथम तल पर संचालित किया जा रहा है। उन्होने 6 जनवरी 2025 को जिला आबकारी अधिकारी के नाम निरीक्षण के संबंध में लिखे पत्र में टीप लिखी है कि 'मेरे द्वारा रेस्तरां भवन एवं आसपास के क्षेत्र का गहनता से निरीक्षण किया गया।रेस्तरां भवन मुख्य बिल्डिंग के बेसमेंट में अवस्थित है। इस बेसमेंट में प्रवेश करने के लिए 04 प्रवेश मार्ग हैं।' जबकि हकीकत ये है कि यारी रेस्टोरेंट बार काम्पलेक्स के प्रथम तल पर स्थित है और इसमें प्रवेश के लिए 4 मार्ग नहीं है।

दो लाइसेंस के लिए एक जैसी टीप

आबकारी उपनिरीक्षक आकाश मेश्राम ने यह टीप सिर्फ यारी रेस्टोरेंट बार के लिए नहीं लिखी बल्कि उड़ता पंजाब रेस्टोरेंट बार के लिए भी यही टीप जस की तस लिखी है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे किस 'गहनता' से अपने कर्तव्यों की निर्वहन कर रहे हैं।

आरटीआई में भी दे दी भ्रामक जानकारी!

इतना ही नहीं यह गलत और भ्रामक जानकारी उन्होने विभाग को तो दी ही साथ में आरटीआई में भी आवेदक को सत्यापित प्रतिलिपि के रूप में उपलब्ध करा दी। उस पर सोने पर सुहागा ये कि जिस कर्मचारी ने जानकारी तैयार कर 'साहब' के समक्ष हस्ताक्षर करने रखी न तो वह इसे समझ सका और न ही 'साहब' ने हस्ताक्षर करने से पहले इस पर नजर मारना जरूरी समझा।

सब 'दक्षिणा' की माया

इस मामले में सूत्र बताते हैं कि यह सब 'दक्षिणा' की माया है। जिसे बार लाइसेंस चाहिए वह चढ़ावे में अच्छी-खासी 'दक्षिणा' दे देता है तो उसका 'गहन' निरीक्षण बिना स्थल पर जाए भी हो जाता है।

छिंदवाड़ा शहर को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना मेरी प्राथमिकता : विक्रम अहके

छिंदवाड़ा। विगत कई समय से वार्ड क्रमांक 41 एवं 48 में रोड बनाने की मांग वार्डवासियों द्वारा की जा रही थी और जिसको छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहके जी ने मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जिले के सांसद विवेक बंटी साहू की मंशानुरूप गंभीरता से लिया एवं शीघ्रता से स्वीकृत करवाकर रोड का भूमिपूजन करने पहुंचे ज्ञात हो कि महापौर श्री अहके शहर को साफ स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए सतत प्रयासरत रहते है और प्रत्येक वार्डो में आम जनमानस के बीच पहुंचकर उनका कुशलक्षेम जानने पहुंच जाते है इसी क्रम में आज महापौर तेज बारिश के बीच में वार्ड वासियों के बीच पहुंचे और आपका महापौर आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत संवाद किया एवं संबंधित को निर्देशित कर त्वरित कार्यवाही करने हेतु कहा इस दौरान वार्डवासियों में उत्साह का माहौल दिखा और समस्त वार्डवासियों ने महापौर जी का आभार व्यक्त किया इस दौर साथ में मंडल अध्यक्षा लीला बाजोलिया, सभापति अरुणा मनोज कुशवाह, सभापति जगेंद्र अल्डक, जिला मंत्री अरुण चंदेल, मंडल महामंत्री अंकित तिवारी, श्यामराव कपाले, चेतराम पाल , नीरज वमा, मुन्ना पटेल, असरब कुमरे, रिंकू सिंह, शक्ति सिंह,अमर सिंह सहित सभी वार्डवासी उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना से पीड़ित व्यक्ति की मदद करने वालों को राहवीर योजना से लाभांवित करें

कलेक्टर की अध्यक्षता में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

नरसिंहपुर। कलेक्टर शीतला पटले की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में 25 जुलाई को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। आयोजित बैठक में सड़क सुरक्षा समिति के द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। आयोजित बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उपायों के संबंध में चर्चा की गई। इस अवसर पर ब्लैक स्पॉट, गति सीमा, यातायात नियमों का पालन, जागरूकता अभियान, सड़क निर्माण कार्यों के दौरान डायवर्सन मार्ग के संकेत, जेब्रा क्रॉसिंग, ब्रेकर तथा डिवाइडर सहित सड़क जागरूकता अभियान के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका, अपर कलेक्टर अंजली शाह, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, एसडीएम नरसिंहपुर मणिन्द्र कुमार सिंह, यातायात प्रभारी और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर पटले ने बैठक में जिले के सड़क मार्गों में ब्लैक स्पॉट (दुर्घटना संभावित क्षेत्र) की समीक्षा की। उन्होंने ब्लैक स्पॉट क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात नियमों का पालन कराने के निर्देश दिए, जिससे ब्लैक स्पॉट क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके। बैठक में थाना क्षेत्रांतर्गत होने वाले सड़क दुर्घटनाओं तथा उनके कारणों की समीक्षा की गई। कलेक्टर पटले ने कहा कि सड़क दुर्घटना रोकने के लिए वाहन चालक संतुलित वेग में वाहन चलाए, स्पीड ब्रेकर का पालन करें, वाहन नशे की हालत में न चलाएं, सड़कों के गड्ढों की मरम्मत की जाए तथा वाहन चालकों का नियमित रूप से मेडिकल चेकअप किया जाए। उन्होंने सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर भी जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए, जिससे वाहन चालकों और नागरिकों को यातायात नियमों की जानकारी मिल सके।

कलेक्टर पटले ने निर्देशित किया कि सड़क निर्माण एजेंसियों को निर्माण कार्य के दौरान सड़क डायवर्सन के स्पष्ट संकेतों को प्रदर्शित करना होगा, जिससे वाहन चालक प्रदर्शित संकेतों का पालन कर सके। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान निर्माण सामाग्री व्यवस्थित ढंग से रखी जाए। निर्माण सामाग्री सड़क में इधर-उधर न रखें, जिससे दुर्घटना की आशंका न रहे। सड़क निर्माण के दौरान पानी निकासी का प्रबंध एवं सड़क की ऊंचाई का भी ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि वाहनों को क्षतिग्रस्त पुल- पुलिया या सड़क मार्गों से आवागमन न करने दिया जाए। कलेक्टर पटले ने निर्देशित किया कि हाईवे और गांव को जोड़ने वाली सड़कों पर स्पीड ब्रेकर बनाया जाए। शहर और हाईवे को जोड़ने वाली सड़कों पर लाईट लगे हों। नो पार्किंग जोन के बोर्ड लगे हों। सड़क के मोड़ और साईड शोल्डर की झाड़ियों की कटाई की जाये।

कलेक्टर पटले ने निर्देशित किया कि नगरीय क्षेत्रों के चौराहों और तिराहों पर होर्डिंग्स या पोस्टर न लगाया जाए। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों की दुकानें व्यवस्थित तरीके से लगाने के निर्देश दिए। दुकानदारों को दुकान से आगे सड़क मार्ग तक दुकान न लगाने के लिए समझाइश देने को कहा। इसी प्रकार से सड़क मार्ग के किनारे भी अस्थाई दुकाने या हाथ ठेले न लगाने के निर्देश दिए, जिससे यातायात व्यवस्था सुगम बनी रहे। नगरीय क्षेत्र में स्थल चिन्हित कर अस्थाई दुकानों को लगाने के निर्देश दिए। जिससे आवागमन बाधित न हो। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों में लगाए गए।

नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता लाने कलेक्टर और एसपी ने हस्ताक्षर अभियान का किया शुभारंभ

नशामुक्त समाज बनाने क्षमता के अनुरूप हर संभव प्रयास करने की ली शपथ

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलाए जाने वाले वृहद जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी - है जरूरी के तहत शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में हस्ताक्षर अभियान का कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा और पुलिस अधीक्षक पंकज पाण्डे द्वारा हस्ताक्षर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर विश्वकर्मा ने कहा कि नशीले पदार्थो का सेवन करने से ना केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य की हानि होती है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक हानि भी होती है। नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए शासन द्वारा जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। जनजागरूकता अभियान से समाज में नशामुक्ति के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित होता है तथा नागरिक भी नशे का त्याग करने के लिए प्रेरित होते हैं। पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार पाण्डे ने अभियान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 30 जुलाई तक चलाए जाने वाले इस अभियान का उद्देश्य किशोरों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना, उन्हें इस लत से दूर रखना और जो लोग पहले से नशे की गिरफ्त में हैं, उन्हें उचित परामर्श और सहयोग प्रदान कर पुनर्वास की दिशा में मार्गदर्शन देना है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत सम्पूर्ण जिले में नशामुक्ति के लिए जनजागरूकता लाने विभिन्न जागरूकता गतिविधियां, कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

हस्ताक्षर अभियान में कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार पांडे, जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया, सहायक कलेक्टर कुलदीप पटेल, अपर कलेक्टर श्वेता पवार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा नशे से दूरी-है जरूरी अभियान के फ्लैक्स पर हस्ताक्षर कर सहभागिता की गई। साथ ही सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने नशे से दूर रहने और समाज को नशा मुक्त बनाने क्षमता के अनुरूप हर संभव प्रयास करने की शपथ भी ली।

विंध्य की विरासत से समृद्ध होगी
मध्यप्रदेश पर्यटन की पहचान
मध्यप्रदेश पर्यटन
क्षेत्रीय पर्यटन कॉन्क्लेव
26-27 जुलाई, 2025 | रीवा
अद्भुत वन्यजीवन-अनोखे गंतव्य
शुभारंभ
सायं 6:00 बजे। कृष्ण राज कपूर ऑडिटोरियम, रीवा, मध्यप्रदेश
एवं
कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम
सायं 5:00 बजे। सैनिक स्कूल परिसर, रीवा
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
पर्यटन विकास को नए आयाम
होटल, रिसॉर्ट, वेलनेस और ईको-टूरिज्म क्षेत्रों में निवेश करने वाले 6 प्रमुख निवेशकों को प्रदान किए जाएंगे 'लेटर ऑफ अवॉर्ड'
पर्यटन विभाग द्वारा राज्य में संचालित 'पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा' की बुकिंग अब जुड़ेगी IRCTC पोर्टल से
ग्रामीण होम-स्टे अब मेक माय ट्रिप, यात्रा, ईज़ माय ट्रिप जैसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ट्रैवल एजेंसियों से जुड़ेंगे
2 प्रमुख डिजिटल मार्केटिंग कंपनियों, Barcode Experiential और Qyuki Digital के साथ रणनीतिक साझेदारी हेतु एमओयू
शहडोल में फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट का उद्घाटन युवाओं को मिलेंगे रोज़गार के अवसर
कला और हस्तशिल्प केंद्र स्थापित करने के लिए ग्राम सुधार समिति एमएम फाउंडेशन और समर्थ संस्था के साथ होगा अनुबंध
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D-11071/25
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025